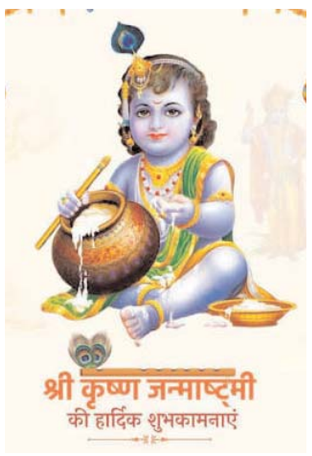

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-188 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देश के कई राज्यों में सक्रिय हुआ मानसून,भारी बारिश का अनुमान

-उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय होने के साथ मौसम विभाग ने अनेक राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में अगले कुछ दिनों के दौरान तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी बादल छाए रहने और बारिश तथा गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान है। बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में हल्की से बहुत हल्की बारिश दर्ज की गई। कुछ स्थानों पर गरज और बिजली चमकने के साथ भी बारिश हुई। बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में करीब एक से दो डिग्री सेल्सियस तथा अधिकतम तापमान में करीब तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में मौसम सामान्यत: ठीक रहने की संभावना है। हालांकि, तेज बारिश के दौरान अचानक बौछारें पड़ने और बिजली कड़कने की स्थिति बन सकती है। नोएडा में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है तथा दिन के अंत में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है।गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी बादल छाए रहने तथा रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। उत्तराखंड में मानसून की भारी बारिश का दौर जारी है। हल्द्वानी में पिछले 24 घंटों के दौरान 166 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो पिछले दस वर्षों में वहां दर्ज सबसे अधिक बारिश बताई गई है। भारी बारिश के मद्देनजर कोसी, रामगंगा और गौला नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। मौसम विभाग ने लोगों को नदियों और जलधाराओं के किनारे जाने से बचने तथा सतर्क रहने की सलाह दी है।मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में पूरे सप्ताह भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। भारी बारिश के दौरान संवेदनशील और कमजोर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, सड़क अवरोध और अचानक बाढ़ जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई है।

प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में अचानक बाढ़ की स्थिति बनने की चेतावनी जारी की गई है। मैहर, मऊगंज, पन्ना, रीवा, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, सागर, नरसिंहपुर, दमोह और छिंदवाड़ा सहित कई जिले इसके दायरे में हैं।नर्मदापुरम, रायसेन और सीहोर में भी भारी बारिश को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि ऊपरी क्षेत्रों में तेज बारिश के कारण निचले इलाकों में अचानक पानी भरने और बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन रुक्मणी माता मंदिर में किए दर्शन

गुजराज (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात प्रवास के दौरान गुरुवार को भगवान द्वारकाधीश पहुंचकर भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने माता रुक्मणी मंदिर पहुंचकर सपत्नीक दर्शन लाभ प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारकाधीश के निकट प्राचीन रुक्मणी माता मंदिर की अद्भुत स्थापत्य कला से अत्यधिक प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 12वीं-13वीं सदी में निर्मित इस मंदिर की स्थापत्य कला के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

मराठा आंदोलन के बीच आंदोलनकारी की मौत से हड़कंप, दो दिन में सरकारी प्रस्ताव नहीं आया तो फिर होगा आंदोलन

जालना(आरएनएस)। महाराष्ट्र के जालना जिले के अंतरवाली सराटी में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान एक आंदोलनकारी की मौत से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान बीड जिले के धारूर तालुका के संगम गांव निवासी 40 वर्षीय दशरथ शिवाजी रायकर के रूप में हुई है। उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्रारंभिक तौर पर हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है। शव का अंत्यपरीक्षण कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दशरथ रायकर अपने गांव के अन्य मराठा आंदोलनकारियों के साथ मनोज जरांगे के आंदोलन को समर्थन देने अंतरवाली सराटी पहुंचे थे। उन्होंने आंदोलन में हिस्सा लिया और रात में वहीं एक खेत में सो गए। सुबह काफी देर तक नहीं उठने पर उनके साथियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद दशरथ रायकर को तत्काल अंबड के उपजिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव का अंत्यपरीक्षण कराया गया है। पुलिस अब मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोने की राखी बांधने वाली मंत्री सुरेखा को किया बर्खास्त

हैदराबाद, (आरएनएस)। तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय ने राज्यपाल को पत्र भेजा है। बताया जा रहा है कि यह फैसला दिल्ली में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। पार्टी नेतृत्व ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने का अनुरोध किया था। सुरेखा को हटाए जाने की मुख्य वजह उनकी बेटी सुष्मिता पटेल का मुख्यमंत्री के खिलाफ दिया गया कथित बयान बताया जा रहा है। सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल चिकित्सक हैं और राजनीति में सक्रिय होने की तैयारी कर रही हैं। अगस्त में वारंगल जिले के गीसुगोंडा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की थी।

नेपाल की मदद के लिए भारत ने राहत के साथ बचाव और डीएनए विशेषज्ञों की टीम भेजी

-बाढ़ में 1,200 से अधिक लोगों की मौत, हजारों लापता

-सुरंगों में फंसे मजदूरों को निकालने और अज्ञात शवों की पहचान में जुटी भारतीय टीमें

नई दिल्ली,(आरएनएस)। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। बाढ़ और उसके बाद की आपदा में 1,200 से अधिक लोगों की मौत होने तथा हजारों लोगों के लापता होने की खबर है। संकट की इस घड़ी में भारत ने पड़ोसी धर्म निभाते हुए नेपाल के लिए राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। भारत की ओर से राहत सामग्री के साथ विशेष सुरंग बचाव दल, औषधियां और शवों की पहचान में सहायता के लिए विशेषज्ञों की टीम भेजी गई है।

बाढ़ आने के तत्काल बाद भारत ने राहत अभियान शुरू कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अगस्त को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बातचीत कर उन्हें हरसंभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके तुरंत बाद भारतीय वायुसेना के विमान से राहत सामग्री की पहली खेप नेपाल भेजी गई।

2 सितंबर को भारतीय वायुसेना का पांचवां विमान नेपाल रवाना हुआ। इसमें 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल के साथ 5.5 टन औषधियां भेजी गईं। भारतीय दल का प्रमुख उद्देश्य बाढ़ से क्षतिग्रस्त जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने में नेपाली प्रशासन की मदद करना है।बाढ़ के कारण नेपाल की कई जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ी सुरंगों को भारी नुकसान पहुंचा है। इनमें बड़ी संख्या में मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। भारतीय सुरंग बचाव दल ने चिलिमे तक पहुंचने का समय कम करने के लिए अपना आधार त्रिशुली से स्याब्रूबेसी स्थानांतरित कर लिया है।12 सितंबर तक बचाव दल सुरंग के भीतर करीब 100 मीटर तक आगे बढ़ चुका था। टीम सुरंग तक पहुंचने के लिए अस्थायी सड़क मार्ग तैयार करने की संभावना पर भी विचार कर रही है, ताकि बचाव अभियान को तेजी दी जा सके।बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में शव बरामद किए गए हैं, जिनमें से कई की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने 19 सदस्यीय विधि-विज्ञान विशेषज्ञ दल नेपाल भेजा है।

भारतीय विशेषज्ञ नेपाली विधि-विज्ञान विशेषज्ञों के साथ मिलकर काठमांडू में डीएनए नमूनों के विश्लेषण का काम कर रहे हैं। पहचान प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए भारतीय दल नेपाल की विधि-विज्ञान सुविधाओं सहित दो प्रयोगशालाओं में काम कर रहा है।

'तब तक फाइनल नहीं होगा समझौता', ट्रेड डील पर भारत ने अमेरिका के सामने रखी ये शर्त

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत समझौते की अंतिम जानकारी तभी सार्वजनिक करेगा, जब अमेरिका भारतीय उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर और रियायती टैरिफ व्यवस्था देने पर सहमत होगा। पीयूष गोयल ने गुरुवार को 'लीवरेजिंग एफटीए आउटरीच प्रोग्राम' के तहत आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यदि अमेरिका भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अधिक अनुकूल टैरिफ दर उपलब्ध कराने में सक्षम होता है, तो दोनों देश व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं। इसके बाद समझौते की विस्तृत जानकारी भी साझा की जाएगी। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है।

वकीलों से कथित मारपीट मामले में सीबीआई जांच से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

-याचिकाकर्ताओं को दिल्ली हाई कोर्ट जाने की दी स्वतंत्रता, 20 और 21 अगस्त की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग करने को कहा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 20 और 21 अगस्त को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे वकीलों से कथित मारपीट की घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करने की स्वतंत्रता दे दी। वकीलों ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारी वकीलों के साथ कथित तौर पर मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से मामले की सीबीआई जांच और 20 तथा 21 अगस्त की घटनाओं से संबंधित परिसर की निगरानी कैमरों की फुटेज तत्काल सुरक्षित रखने की मांग की गई थी।वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष दलील दी कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने कथित तौर पर वकीलों के साथ मारपीट की।

पाकिस्तान के एफ-16 जेट को मार गिराने वाले अभिनंदन वर्धमान गोवा की फ्लाई 91 एयरलाइन में शामिल

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र से सम्मानित अभिनंदन वर्धमान अब वाणिज्यिक पायलट के रूप में अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। वर्ष 2019 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए हवाई संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराने और पाकिस्तान की हिरासत से सकुशल भारत लौटने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुए अभिनंदन अब गोवा स्थित निजी विमानन कंपनी 'फ्लाई91' में शामिल हो गए हैं।अभिनंदन ने अगस्त में कंपनी में पायलट के रूप में कार्यभार संभाला है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में अब तक सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने भी कर्मचारियों से जुड़ी निजी जानकारी साझा करने से इनकार किया है।अभिनंदन वर्धमान ने दिसंबर 2021 में भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्ति ली थी। वायुसेना में वरिष्ठ पदों पर पहुंचने के बाद पायलटों की नियमित उड़ान संबंधी जिम्मेदारियां अपेक्षाकृत कम हो जाती हैं, जबकि प्रशासनिक जिम्मेदारियां बढ़ती जाती हैं। इसके बाद अभिनंदन ने वाणिज्यिक विमानन के क्षेत्र में कदम रखा है।

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े घोटाले में सत्येंद्र जैन को दिल्ली कोर्ट से जमानत मिली

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में गुरुवार को जमानत दे दी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने दिल्ली जल बोर्ड की सीवेज शोधन संयंत्र परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था।

राउज एवेन्यू स्थित अदालत के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश जारी किया। सत्येंद्र जैन को 18 अगस्त को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था और 19 अगस्त को अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था।जांच एजेंसी के अनुसार, मामला दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज शोधन संयंत्रों के उन्नयन और उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए जारी की गई निविदाओं में कथित गड़बड़ियों से संबंधित है। आरोप है कि निविदाओं की शर्तों में कथित तौर पर इस तरह बदलाव किए गए, जिससे कुछ विशेष कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

विदेश मंत्री जयशंकर बोले- रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए भारत तैयार

नईदिल्ली, (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भारत यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम वहां मौजूद हैं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों पर भी चर्चा हुई। वहीं, सिबिहा ने कहा कि उनका मानना है कि यूक्रेन में रूस के युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में अब एक नई गतिशीलता आएगी, क्योंकि दुनिया भर की राजधानियों में सक्रिय राजनीतिक और राजनयिक जुड़ाव फिर से शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दुनिया भर की कई राजधानियों में राजनीतिक और राजनयिक जुड़ाव के इस सक्रिय चरण की वापसी के साथ, शांति प्रयासों में अब एक नई गतिशीलता आएगी।

विदेश मंत्री का यह दौरा काला सागर में रूस और यूक्रेन के बीच हालिया तनाव में भारतीय नाविकों के हताहत होने के बाद हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीयों और अन्य नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए भारत ने संवाद और कूटनीति के जरिए युद्ध समाप्त करने का आह्वान किया है।

बता दें कि जुलाई में काला सागर में जहाजों पर हमले में कई भारतीय हताहत हुए थे।

सिबिहा ने कहा, बातचीत के दौरान हमने काला सागर में जहाजों की आवाजाही बहाल करने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा की जरूरत पर चर्चा की। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग पर भी चर्चा की।

देश में तेजी से हो रहा धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन का विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की मुख्यमंत्री ने देश-प्रदेशवासियों को दीं जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को गुजरात की देवभूमि द्वारका के पावन द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक भगवान श्री द्वारकाधीश के अलौकिक रूप का दर्शन एवं विधि-विधान से पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान द्वारकाधीश से सभी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी से पहले देश-प्रदेशवासियों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर्व के हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव एवं अन्य परिजनों सहित सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय के डॉ. इलैया राजा टी. भी उपस्थित थे।

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर के बाहर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज वे सपरिवार द्वारिका आये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के उज्जैन और गुजरात की द्वारिका नगरी सहित देशभर में लगातार धार्मिक पर्यटन के नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या 20 गुना बढ़ गई है। वर्तमान में लगभग 10 करोड़ से अधिक तीर्थ यात्री उज्जैन आ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से उज्जैन में बाबा महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद बनारस में भी काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर का निर्माण हुआ, जिससे बाबा विश्वनाथ की नगरी में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली हैं।

जन्माष्टमी से पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन का मिला सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वारकाधीश मंदिर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित सनातन संस्कृति के चार धामों में से एक प्रमुख तीर्थ है। जन्माष्टमी से ठीक पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के भव्य दर्शन का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ समय पहले ही वे सोमनाथ धाम गये थे। इसके बाद आज द्वारका के प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में विधिवत् दर्शन-पूजन-अर्चन कर यहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। हम भी अपने देवस्थानों में बेहतर से बेहतर प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रहीं सुगम व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लगातार धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं देवस्थानों पर सहज एवं सुगम आवागमन, श्रद्धालुओं के ठहरने, उनकी सुरक्षा और पर्यटकों की वृद्धि को देखते हुए वहां सभी जरूरी अधोसंरचनाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। हमारी सरकार भारतीय संस्कृति के गौरवशाली अतीत को पुन: स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

वरिष्ठ अधिकारी दूरस्थ जिलों का भ्रमण कर शिकायतों का निराकरण करायें : मुख्य सचिव श्री बर्णवाल

भोपाल (आरएनएस)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में मंत्रालय में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान एवं बालाघाट प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत दूरस्थ जिलों का भ्रमण कर शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिये। श्री बर्णवाल ने सी.एम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारी कुछ शिकायतकर्ताओं से स्वयं बात करें। विभागों में प्राप्त शिकायतों के कारणों को ढूंढकर उनका समाधान कराएँ। मुख्य सचिव ने सभी-अधिकारियों को भारत सरकार के पत्रों के जवाब अनिवार्यत: 15 दिन में देने के निर्देश भी दिए।मुख्य सचिव ने सीएम फ्लैगशिप योजना की जानकारी, आगामी मुख्यसचिव कांफ्रेंस की जानकारी देने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान में विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान पोर्टल की भी जानकारी दी गयी।

बैठक में बताया गया कि सी.एम हेल्पलाईन में 80 प्रतिशत शिकायतें शिकायतकर्ता की संतुष्टी के बाद बंद करायी गयी है। शेष शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही भी की जा रही है। सी.एम. हेल्पलाईन में प्रतिदिन 55 हजार कॉल आते है जिनमें 15 हजार शिकायतें होती है। बैठक में बताया गया कि लोकसेवा गारंटी अभियान में 8 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है। बैठक में मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रकरणों, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सरंक्षण विभाग से राशनकार्ड एवं राशन दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना की जानकारी, स्वास्थ्य विभाग से प्रसूति सहायता योजना, ऊर्जा विभाग से बिजली आपूर्ति की जानकारी प्राप्त की।मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने बालाघाट विकास प्रोजेक्ट की विस्तृत समीक्षा कर 332 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक विभागवार प्रस्तावित कार्य तथा उनकी स्थिति पर चर्चा की गयी।

राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में नन्हे-मुन्नों ने बिखेरी भक्ति और संस्कारों की छटा

भोपाल (निप्र)। जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर बरखेड़ीकलां स्थित शारदा विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में फैंसी ड्रेस कार्यक्रम का भव्य एवं मनमोहक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा, कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़े विभिन्न स्वरूपों में सजे-धजे नजर आए। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके बाल स्वरूप तथा बाल लीलाओं से जुड़ी रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारियाँ साझा कीं। बच्चों ने कृष्ण जी से जुड़ी चीजों जैसे गायों की रक्षा, मटकी फोड़, माखन मिश्री, बांसुरी, मोरपंख, गोवर्धन पर्वत आदि पर जानकारी दी। किसी ने नटखट कान्हा का रूप धारण कर माखन चोरी की लीला प्रस्तुत की, तो किसी ने राधा के रूप में अपनी सुंदर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में सजा-धजा देखकर और उनकी आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं पर्वों से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता, आत्मविश्वास और संस्कारों का विकास करना था। बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। यूं तो कार्यक्रम जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, परंतु इसमें पर्यावरण संरक्षण को भी जोड़ दिया गया, क्योंकि श्रीकृष्ण का जीवन भी पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा से जुड़ा रहा है।बच्चों के अभिभावकों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें पर्यावरण एवं प्रकृति को प्रदूषण से बचाए रखने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा किए गए इस सुंदर एवं सार्थक आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने पहली बार सफलतापूर्वक किया 'ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल'

ब्लैकआउट के बाद बिजली बहाली की क्षमता को परखा

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) ने अपने इतिहास में पहली बार 'ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी और इंदिरा सागर जल विद्युत गृह परियोजना, खंडवा के संयुक्त अभ्यास में संभावित पूर्ण अथवा आंशिक ब्लैकआउट के बाद विद्युत उत्पादन प्रणाली को सुरक्षित एवं चरणबद्ध तरीके से पुन: संचालित करने की तैयारियों का परीक्षण किया गया।यह महत्वपूर्ण तकनीकी अभ्यास भारतीय विद्युत ग्रिड संहिता (IEGC)-2023 के प्रावधानों के अनुरूप आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन स्थिति में विद्युत ग्रिड के पुनर्बहाली तंत्र, विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय, संचार व्यवस्था तथा निर्धारित पुनर्स्थापना प्रक्रिया की व्यावहारिक जांच की गई। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में आयोजित यह मॉक ड्रिल प्रात: 11:30 बजे से दोपहर 1:51 बजे तक सफलतापूर्वक संचालित की गई। अभ्यास के दौरान आयलैंडिंग व्यवस्था के माध्यम से इंदिरा सागर जल विद्युत गृह से विद्युत आपूर्ति लेकर MPPGCL के 500 मेगावाट (2 250 मेगावाट) क्षमता वाले सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की आपातकालीन स्टार्ट-अप क्षमता का परीक्षण किया गया।

डेंगू से बचाव के लिए 53 छात्रावासों में चला जन-जागरुकता अभियान

विद्यार्थियों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से बचाव के बताए उपाय

भोपाल (आरएनएस)। जिले में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार जन-जागरूकता एवं वेक्टर नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के निर्देशन में डेंगू निरोधक माह-2026 के अंतर्गत जिले के अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावासों में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहरी क्षेत्र के 35 एवं ग्रामीण क्षेत्र के 18 सहित कुल 53 छात्रावासों में विद्यार्थियों को डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के कारण, लक्षण और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा छात्रावास परिसरों में फीवर सर्वे, लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टीकरण, आवश्यक छिड़काव तथा प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियां भी की गईं। विद्यार्थियों को बताया गया कि घर, छात्रावास एवं आसपास के क्षेत्रों में पानी का अनावश्यक जमाव न होने दें। कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों एवं अन्य पात्रों में जमा पानी को नियमित रूप से साफ करें, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

बहन से विवाद के बाद 9वीं के छात्र ने लगाई फांसी, 3 दिन बाद अस्पताल में तोड़ा दम

भोपाल (आरएनएस)। टीटीनगर थाना क्षेत्र की बंगाली कॉलोनी में बहन से विवाद के बाद नौवीं कक्षा के 14 वर्षीय छात्र ने फांसी लगा ली। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां तीन दिनो तक उपचार के बाद गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 14 वर्षीय दक्ष मौर्य पिता दिनेश मौर्य परिवार के साथ बंगाली कालोनी में रहता था। रविवार को घर में उसका बड़ी बहन से विवाद हो गया था। इसके बाद बहन छत पर चली गई, जबकि दक्ष अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद बहन वापस आई तो उसने दक्ष को कमरे में फंदे पर लटका देखा। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी पहुंचे और उसे नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया। घटना के समय दक्ष के माता-पिता काम पर गए थे। पिता न्यू मार्केट में कपड़े की दुकान पर काम करते हैं, जबकि मां घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

राज्यपाल श्री पटेल ने प्रो. राजपूत को कुलगुरु नियुक्त किया

भोपाल (आरएनएस)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जीवाजी विश्वविद्यालय का नया कुलगुरू प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र एवं सामाजिक विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को नियुक्त किया है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को 4 वर्ष की कालावधि अथवा 70 वर्ष की आयु जो भी पूर्वत्तर होगी के लिए कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त किया है।

भोपाल में अटका मेट्रो का काम मुआवजा मिलने के बाद भी खाली नहीं हो रहे मकान

भोपाल (आरएनएस)। बोगदा पुल से करोंद तक मेट्रो का रास्ता जमीन खाली नहीं होने से बार-बार अटक रहा है। पातरा पुल से बरखेड़ी तक मेट्रो और सड़क चौड़ीकरण की जद में आए दो दर्जन से अधिक मकान मालिकों को मुआवजा बांटा जा चुका है, लेकिन 12 से ज्यादा मकान अब भी खाली नहीं हुए हैं। प्रशासन के सामने अब इन भवनों को खाली कराकर जमीन मेट्रो रेल कारपोरेशन को सौंपने की चुनौती है। काजीकैंप में मेट्रो रूट और सड़क चौड़ीकरण की जद में करीब 300 मकानों के कुछ हिस्से आ रहे हैं। प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है। कुछ रहवासियों ने अपने स्तर पर प्रभावित हिस्से हटाने की सहमति भी दी है, लेकिन कार्रवाई की गति धीमी बनी हुई है। जब तक ये हिस्से हटेंगे नहीं, तब तक सड़क को पूरी चौड़ाई में विकसित करना मुश्किल है।

बैरिकेडिंग ने घटाई सड़क की चौड़ाई, लग रहा रोज जाम

मेट्रो निर्माण के लिए की गई बैरिकेडिंग और प्रभावित हिस्सों के नहीं हटने से सड़क की उपलब्ध चौड़ाई कम हो गई है। नतीजा यह है कि काजीकैंप सहित आसपास के हिस्सों में वाहनों का दबाव बढ़ रहा है और रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। रहवासियों का कहना है कि बैरिकेडिंग से पहले प्रभावित निर्माण हटाकर अस्थायी सड़क तैयार की जानी चाहिए थी, जिससे निर्माण के साथ यातायात भी चलता रहता।

बड़ा बाग कब्रिस्तान क्षेत्र भी बना चुनौती

बोगदा पुल-करोंद मेट्रो रूट में पातरा पुल, काजीकैंप और बड़ा बाग कब्रिस्तान क्षेत्र जमीन खाली कराने के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्से बने हुए हैं। इन क्षेत्रों में निर्माण हटने के बाद ही मेट्रो और सड़क चौड़ीकरण का काम रफ्तार पकड़ सकेगा।

मध्यप्रदेश की सुमन पंचायत पहल अब राष्ट्रीय स्तर पर लागू

सुमन पंचायत और सुमन सखी चैटबॉट को सुमन रोडमैप 2030 में मिली जगह
उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उपलब्धि को प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश की मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए संचालित नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। लखनऊ में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन सुमन रोडमैप 2030 में सुमन (सुरक्षित मातृत्व आश्वासन) के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा विकसित सुमन पंचायत और सुमन सखी चैटबॉट को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट प्रैक्टिस एवं अन्य राज्यों में लागू किए जाने वाले स्केलेबल इंटरवेंशन के रूप में मान्यता मिली है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को सुरक्षित, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ समुदाय की भागीदारी, डिजिटल तकनीक और डेटा आधारित मॉनिटरिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। सुमन पंचायत और सुमन सखी चैटबॉट जैसे नवाचार इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन पहलों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने, सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने में सहायता मिल रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की इन पहलों का राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में स्वीकार किया जाना प्रदेश में किए जा रहे नवाचारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है।

लखनऊ में राष्ट्रीय कार्यशाला में हुआ प्रदर्शन

2 एवं 3 सितंबर 2026 को लखनऊ में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन सुमन रोडमैप 2030 में मध्यप्रदेश की सुमन पंचायत और सुमन सखी चैटबॉट पहलों को प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में इन पहलों को समुदाय से जुड़ाव मजबूत करने, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तक पहुंच आसान बनाने तथा महिलाओं एवं उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं को समझने और प्राप्त करने में सहायता देने के लिए सराहा गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के समक्ष मध्यप्रदेश की इन पहलों की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता को प्रस्तुत किया गया। इनके प्रभावी मॉडल को देखते हुए इन्हें अन्य राज्यों में भी स्केलेबल इंटरवेंशन के रूप में अपनाया जाएगा। मध्यप्रदेश के दल में एमडी एनएचएम डॉ सलोनी सिडाना, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ अर्चना मिश्रा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

मध्यप्रदेश के मलखंब खिलाड़ियों को मिली बड़ी सौगात, उज्जैन में बनेगी मलखंब अकादमी

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में मलखंब खेल और खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के प्रयासों से बड़ी पहल की जा रही है। प्रदेश में

मलखंब खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मलखंब एवं जिम्नास्टिक अकादमी विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। लगभग 20 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाली इस अकादमी में खेल अधोसंरचना, हॉस्टल, आधुनिक खेल उपकरण और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अकादमी की अधोसंरचना के निर्माण के लिए लगभग 86 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। वहीं वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक अकादमी के संचालन के लिए लगभग 25.33 करोड़ रुपये संचालन व्यय का प्रस्ताव है। इस प्रकार कुल प्रस्तावित राशि लगभग 111.33 करोड़ रुपये होगी खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को आधुनिक सुविधाएं, विशेषज्ञ प्रशिक्षण और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

जटाशंकर धाम में दिखा अद्भुत नजारा, गोमुख से निकली जलधारा ने किया शिवलिंग का अभिषेक

छतरपुर (आरएनएस),। जटाशंकर धाम में प्रकृति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले इस शिव धाम में गोमुख से जल की धारा उमड़ पड़ी। मानो खुद जटाधारी भोलेनाथ की जटाओं ने बारिश के जल से अभिषेक किया हो। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित जटाशंकर धाम भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है, जिसे %बुंदेलखंड का केदारनाथ% भी कहा जाता है। मशहूर जटाशंकर धाम में कुदरत का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला, जिसका वीडियो देख आप भी मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। %बुंदेलखंड का केदारनाथ% कहे जाने वाले इस पुराने शिव मंदिर में दो दिन की भारी बारिश के बाद %गोमुख% से पानी का जबरदस्त बहाव शुरू हो गया। इस नजारे को भक्त किसी दैवीय चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। नजारा मनमोहक बना हुआ है, लेकिन लगातार बारिश से कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। मंदिर के आंगन में पानी जमा हो गया है और पास की नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसके कारण अधिकारियों ने पर्यटकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

जटाशंकर धाम में प्रकृति का अद्भुत रूप

जब इलाके में मूसलाधार बारिश हुई तो गोमुख से पानी बहुत तेजी से बहने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे जटाधारी भगवान शिव का बारिश के पानी से अभिषेक हो रहा हो। शिवलिंग का मानो कुदरती जलाभिषेक हो रहा था और पूरा मंदिर गहरे भक्ति-भाव और कुदरती सुंदरता से भर गया था। इस अनोखी घटना ने इस पवित्र जगह को एक शानदार नजारे में बदल दिया, जहां आस्था और प्रकृति का अद्भुत मेल देखने को मिला। इस खूबसूरत पल का वीडियो भी छाया हुआ है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची चिचोली

बैतूल (ए)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 3 सितंबर को चिरापाटला से निकली। इस दौरान गाजे- बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदिरों का भ्रमण किया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा प्रमुख ग्रामों का भ्रमण करते हुए चिचोली पहुंची, तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक बंधु, संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।इन विकासखंडो में पहुंचेगी संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे।

MP में बारिश बनी आफतः बरगी बांध लबालब, सतना में 2 युवक बहे; चित्रकूट में बाढ़ छोड़ गई तबाही

जबलपुर (ए)। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश अब जान-माल दोनों पर भारी पड़ने लगी है. जबलपुर में बरगी बांध 95 फीसदी से ज्यादा भर चुका है और उसके गेट खोलने की तैयारी है. चित्रकूट में बाढ़ का पानी उतरने के बाद तबाही की तस्वीरें सामने आ रही हैं, जहां घर, दुकानें और आश्रम तक ढह गए हैं. वहीं सतना में तेज बहाव वाले रपटा को पार करने की कोशिश में दो युवक बाइक समेत बह गए. टीकमगढ़ में भी भारी बारिश से किसानों और

मजदूरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रदेश के कई जिलों में नदियां उफान पर हैं और प्रशासन लगातार अलर्ट जारी कर रहा है.लगातार बारिश के बीच जबलपुर स्थित बरगी बांध का जलस्तर बढ़कर 422.10 मीटर पहुंच गया है. गुरुवार सुबह 8 बजे तक बांध में 3033 एमसीएम यानी 95.38 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया. बांध में औसतन 974 क्यूमेक पानी की आवक हो रही है.फिलहाल बरगी बांध के सभी गेट बंद हैं, लेकिन जलस्तर को देखते हुए दोपहर तक पांच गेट खोले जाने की संभावना जताई गई है. गेट खुलने की स्थिति में नर्मदा नदी के निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ सकता है. प्रशासन ने नदी किनारे और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है.

गाय को चारा खिला रहे पति-पत्नी को कार ने मारी टक्कर, दंपति गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

ग्वालियर (आरएनएस),। सड़क किनारे गाय को चारा खिला रहे पति-पत्नी को पीछे से आई कार ने जोरदार टक्कर मारी और फिर दुकान में जा घुसी। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसके आधार पर फरार चालक की तलाश की जा रही है।मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें दो दंपति कार एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल हो गए। सामने आए वीडियो में तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। सड़क किनारे गाय को चारा खिला रहे पति-पत्नी को पीछे से आई कार ने जोरदार टक्कर मारी और फिर दुकान में जा घुसी। इस घटना में पति-पत्नी दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के तुरंत बाद सड़क पर अचानक अफरा-तफरी मच गई। दुकान में मौजूद लोग अपनी जान बचाकर बाहर भागे। इसके बाद कार चालक अपनी कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। एमपी में सड़क हादसे में लोगों की मौत की घटना बढ़ाते जा रही है, जो लापरवाही का नतीजा है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कार को जब्त कर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें यह खौफनाक मंजर साफ दिखाई दे रहा है। दरअसल, ग्वालियर शहर के पॉश इलाके चेतकपुरी में भूपेंद्र सुखीजा अपनी पत्नी शिवानी के साथ स्कूटी से बाजार से घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सड़क किनारे खड़ी गाय को चारा खिलाने के लिए दोनों रुक गए। पति-पत्नी गाय को चारा खिला ही रहे थे कि तभी पीछे से तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार आई और दोनों को रौंदते हुए पास की एक दुकान में जा घुसी।

फैमिली कोर्ट में ससुर-दामाद के बीच जमकर चले लात-घूंसे, पेशी के दौरान हुआ विवाद

टीकमगढ(आरएनएस),। . जिला न्यायालय में फैमिली कोर्ट की पेशी के दौरान ससुर और दामाद के बीच जमकर मारपीट हो गई. दोनों के बीच लात-घूंसे चले और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. पारिवारिक विवाद को झगड़े की वजह बताया जा रहा है. कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों ने वीडियो बनाया, लेकिन बीच-बचाव नहीं किया.

एमपी के टीकमगढ़ जिला न्यायालय परिसर में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब फैमिली कोर्ट के बाहर ससुर और दामाद के बीच विवाद अचानक मारपीट में बदल गया. दोनों पक्ष एक पारिवारिक मामले में पेशी पर कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन देखते ही देखते बहस हाथापाई तक पहुंच गई. कोर्ट परिसर में मौजूद वकील, पक्षकार और अन्य लोग घटना को देखते रहे, जबकि कई लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया. घटना का वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है.

सोयाबीन फसल में फली एवं दाना भरने की अवस्था, फसल की स्थिति अच्छी

जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक दल ने खेतों का निरीक्षण कर लिया जायजा, वर्तमान में कीट-व्याधियों का विशेष प्रकोप नह

उज्जैन,(आरएनएस),।जिले में सोयाबीन की फसल वर्तमान में फली बनने एवं दाना भरने की अवस्था में पहुंच गई है। फसल की स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं उप संचालक कृषि श्री के.एस. कैन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक दल द्वारा विकासखंड घट्टिया एवं उज्जैन के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर खेतों का निरीक्षण किया गया। दल द्वारा ग्राम गुराड़िया गुर्जर, खजूरिया सदर, मालखेड़ी, बिसाखेड़ी, रूदाहेड़ा, देवानखेड़ी, सायरखेड़ी, नहारिया, भानबड़ोदिया सहित आसपास के क्षेत्रों में सोयाबीन फसल का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान दल ने किसानों से सीधी चर्चा कर फसल की वर्तमान स्थिति और उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सोयाबीन की फसल लगभग 65 से 70 दिवस की हो चुकी है तथा वर्तमान में फली बनने एवं दाना

भरने की अवस्था में है। खेतों में फसल की स्थिति सामान्यत: अच्छी एवं स्वस्थ है तथा वर्तमान में प्रमुख कीट एवं व्याधियों का कोई विशेष प्रकोप नहीं पाया गया। किसानों को नियमित निगरानी की सलाह दल द्वारा किसानों को सलाह दी गई कि आगामी दिनों में फसल की नियमित निगरानी करते रहें। खेत में किसी भी प्रकार के कीट अथवा रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर विशेषज्ञों की सलाह लें तथा अनुशंसित कीटनाशकों का ही समुचित छिड़काव करें। उक्त निरीक्षण भ्रमण उप संचालक कृषि श्री के.एस. कैन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। दल में नोडल अधिकारी एवं सहायक संचालक कृषि श्री कमलेश कुमार राठौर, कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. एच.आर. जाटव, संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, एटीएम (बीटीएम/एटीएम स्टाफ) एवं स्थानीय कृषक उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों को समसामयिक कृषि तकनीकी सलाह दी गई। साथ ही किसानों को फार्मर आईडी बनवाने, आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों का अग्रिम उठाव करने तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की सदस्यता ग्रहण करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

व्यापार समाचार

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर देशभर में 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा व्यापार होने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस),। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियां जोरों पर है। बड़े पैमाने पर लोग खरीदारी कर रहे हैं। घरों और मंदिरों को सजाया है। जन्माष्टमी सिर्फ आस्था का ही त्योहार नहीं है, बल्कि भारत की %सनातन अर्थव्यवस्था% का एक जीता-जागता प्रतीक है। इस वर्ष जन्माष्टमी के दौरान देशभर में 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा व्यापार होने की उम्मीद की जा रही है। रक्षाबंधन के दौरान हुए जबरदस्त व्यापार के बाद इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर देशभर में 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा व्यापार होने का अनुमान है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) की ओर से यह अनुमान अलग-अलग सेक्टर में होने वाली संभावित बिक्री, घर और धार्मिक कामों के लिए खरीदारी, मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर होने वाले खर्च, देशभर में बड़े पैमाने पर होने वाले जश्न और धार्मिक पर्यटन से जुड़े खर्चों पर आधारित है।सीएआईटी के सेक्रेटरी जनरल और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव सिर्फ भक्ति और आस्था का त्योहार नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक भागीदारी और आर्थिक गतिविधियों का एक अद्भुत संगम भी है। जन्माष्टमी एक अनोखा त्योहार है जहां आस्था सीधे तौर पर आर्थिक गतिविधियों में बदल जाती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल (स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने) के आह्वान का असर देश भर के त्योहारों वाले बाजारों में साफ दिख रहा है। भारतीय उत्पादों को ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। जिससे स्थानीय व्यापार, कुटीर उद्योगों, हस्तशिल्प और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को काफी बढ़ावा मिल रहा है। पूजा के सामान से लेकर सजावट और धार्मिक उत्पादों तक, जन्माष्टमी के दौरान

स्वदेशी सामान की भारी मांग रहती है।प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि जन्माष्टमी से जुड़ी हर रस्म और जश्न लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा है। किसान, डेयरी उत्पादक, फूल उगाने वाले, मिठाई बनाने वाले, कपड़े के व्यापारी, मूर्तिकार, कारीगर, महिला उद्यमी, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर, होटल और रेस्टोरेंट के मालिक और कई तरह की सेवाएं देने वाले लोग इस त्योहार से सीधे या परोक्ष रूप से फायदा उठाते हैं।सीएआईटी के अनुसार, 2024 में जन्माष्टमी के दौरान व्यापार लगभग 25 हजार करोड़ रुपए था और 2025 में यह बढ़कर लगभग 30 हजार करोड़ रुपए हो गया। इस वर्ष, ग्राहकों की ज्यादा मांग, सामान और सेवाओं की कीमतों में बदलाव, बढ़ते सामाजिक उत्सव, धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी, और मॉडर्न रिटेल व डिजिटल कॉमर्स के विकास के कारण, व्यापार में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होने और इसके 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है।

प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस साल जिन उत्पादों की मांग खास तौर पर ज्यादा है, उनमें माखन-मिश्री, दूध, दही, पनीर और अन्य डेयरी उत्पाद, मिठाइयां, फल, सूखे मेवे, पूजा का सामान, फूलों की मालाएं, सजावटी तोरण, झूले, लड्डू गोपाल की मूर्तियां, मुकुट, बांसुरी, मोर पंख, आभूषण और त्योहार के खास कपड़े शामिल हैं।

खंडेलवाल की ओर से इस बात पर जोर दिया गया है कि भारतीय त्योहारों को सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन मानना उनके असली महत्व को कम करके आंकना होगा। दिवाली, होली, रक्षाबंधन, नवरात्रि, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा, करवा चौथ, छठ पूजा और कई अन्य त्योहार लाखों व्यापारियों, कारीगरों, शिल्पकारों, किसानों, महिला उद्यमियों, स्वरोजगार करने वाले लोगों और सेवा प्रदाताओं के लिए आर्थिक अवसरों का एक बड़ा नेटवर्क बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय त्योहारों की सबसे खास बात यह है कि इन मौकों पर होने वाला खर्च सिर्फ उपभोग तक सीमित नहीं रहता; बल्कि यह आय और रोजगार के रूप में समाज के अलग-अलग वर्गों तक पहुंचता है। यह प्रक्रिया भारत की जमीनी स्तर की, समावेशी और विकेंद्रीकृत सनातन अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है।

खंडेलवाल ने कहा कि जन्माष्टमी के दौरान लाखों श्रद्धालु देश भर में अलग-अलग तरीकों से यह त्योहार मनाएंगे, खासकर मथुरा-वृंदावन, द्वारका, नाथद्वारा, दिल्ली, मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, इंदौर, यूपी, महाराष्ट्र, राजस्थान, एमपी, छत्तीसगढ़ और कृष्ण के अन्य प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर।

EV चालकों की बड़ी टेंशन खत्म, भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजी जादुई तकनीक; सालों-साल चलेगी गाड़ी की बैटरी

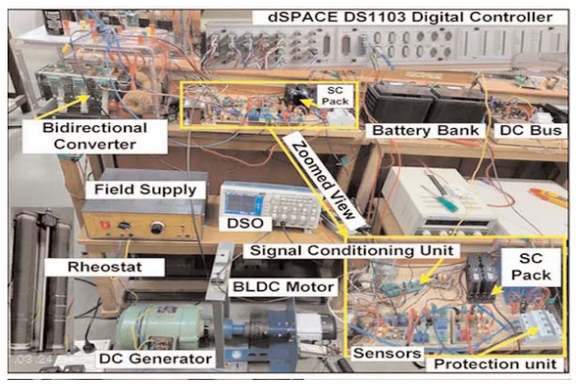

नई दिल्ली (आरएनएस),। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच उनकी सबसे बड़ी चुनौती बैटरी की उम्र है। अब बैटरी की उम्र बढ़ाने की दिशा में भारतीय शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी राउरकेला के शोधकर्ताओं ने ऐसी हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की है, जो अचानक ब्रेक लगाने, तेज गति से वाहन चलाने और गति कम-ज्यादा करने के दौरान बैटरी पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को कम कर सकती है।इस तकनीक का पेटेंट भी हासिल कर लिया गया है। इस शोध को उच्च शिक्षण संस्थान एनआईटी राउरकेला की प्रो. मोनालिसा पटनायक, डॉ. प्रद्युम्न कुमार बेहरा और करण गुप्ता ने अंजाम दिया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक नई प्रणाली का डिजाइन कम से कम घटकों पर आधारित है। इससे सिस्टम की जटिलता कम होती है और बैटरी को अचानक बढ़ने वाली बिजली की मांग से सुरक्षा मिलती है। दरअसल शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों को बार-बार रुकना और चलना पड़ता है।इसके अलावा अचानक एक्सीलरेशन, डिसेलरेशन और ब्रेक लगाने जैसी स्थितियों में बैटरी से बहुत तेजी से करंट लिया या वापस भेजा जाता है। इससे बैटरी सेल्स पर थर्मल और विद्युत दबाव बढ़ता है और समय के साथ उनकी क्षमता तथा उम्र प्रभावित हो सकती है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए शोधकर्ताओं ने बैटरी के साथ सुपरकैपेसिटर को जोड़ा है। सुपरकैपेसिटर बहुत तेजी से चार्ज और डिस्चार्ज हो सकता है और अचानक पैदा होने वाली बिजली की मांग को संभाल सकता है। इससे बैटरी को तेज करंट के झटकों से राहत मिलती है और उसकी उम्र बढ़ाने में मदद मिलती है।नई प्रणाली की खासियत इसका सरल डिजाइन है। प्रो. मोनालिसा पटनायक के मुताबिक इसमें तीन प्रमुख घटक हैं। एक घटक कन्वर्टर, एक इंडक्टर और एक सिंगल कंट्रोल सिस्टम है। एक ही कन्वर्टर बैटरी और सुपरकैपेसिटर दोनों को वाहन की विद्युत प्रणाली से जोड़ता है। इससे अतिरिक्त स्विच और नियंत्रण उपकरणों की जरूरत कम हो जाती है। वहीं इंडक्टर करंट में अचानक होने वाले उछाल को नियंत्रित करता है। सिंगल कंट्रोल सिस्टम वाहन के तेज गति पकड़ने और गति कम करने, दोनों परिस्थितियों में बिजली के प्रवाह को नियंत्रित करता है।शोधकर्ताओं ने अचानक ब्रेक लगाने, तेज तेज और मंद गति जैसी परिस्थितियों में इस प्रणाली का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान सिस्टम ने 48 वोल्ट का स्थिर वोल्टेज बनाए रखा और बैटरी करंट में अचानक बदलाव को नियंत्रित करने में सफलता हासिल की। सुपरकैपेसिटर ने भी अचानक पैदा होने वाली बिजली की जरूरत को प्रभावी ढंग से संभाला। प्रो. पटनायक के अनुसार यह प्रणाली 24 से 60 वोल्ट डीसी वाले कम-वोल्टेज इलेक्ट्रिक वाहन प्लेटफॉर्म के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, कार्गो ट्राइसाइकिल और कैंपस या औद्योगिक उपयोगिता वाहनों में किया जा सकता है।

जी20 सम्मेलन : आरबीआई गवर्नर ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व और आईएमएफ अधिकारियों से की मुलाकात

एशविले (आरएनएस),। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी20 बैठक के दौरान अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की। इसकी जानकारी आरबीआई ने दी। मल्होत्रा ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वरिष्ठ आर्थिक नीति निर्माता शामिल हुए। बैठक के दौरान गवर्नर मल्होत्रा ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ चर्चा की।हालांकि आरबीआई ने इन बैठकों में हुई बातचीत का विस्तृत ब्योरा या उठाए गए विशेष मुद्दों की जानकारी साझा नहीं की।बैठक से इतर संजय मल्होत्रा ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख केविन वार्श से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दुनिया के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गवर्नर वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय व्यवस्था के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कर रहे थे।मल्होत्रा ने आईएमएफ के फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर डैन कैट्ज से भी मुलाकात की। इन बैठकों के जरिए भारत के केंद्रीय बैंक के प्रमुख का संपर्क उन दो प्रमुख वैश्विक संस्थानों से हुआ, जिनका अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय नीतियों पर बड़ा प्रभाव माना जाता है।

अमेरिका, चीन और इजरायल आगे, लेकिन भारत भी बन सकता है वैश्विक एआई पावर : एलेक्स कार्प

चैपल हिल (आरएनएस),। अमेरिकी सॉफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनी पैलेंटिर टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलेक्स कार्प ने कहा है कि भारत एक प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शक्ति के रूप में उभर सकता है। उन्होंने इसके लिए देश की तकनीकी प्रतिभा, ऊर्जा क्षेत्र में की गई पहल और उन्नत एआई मॉडल विकसित करने की क्षमता को प्रमुख कारण बताया।

आईएएनएस से बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि वह एआई के क्षेत्र में भारत का भविष्य कैसे देखते हैं तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत इस क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।उन्होंने कहा कि एआई के विकास के लिए मॉडल डेवलपमेंट, ऊर्जा संसाधन और तकनीकी विशेषज्ञता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप लोग ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए कई रचनात्मक और व्यावहारिक कदम उठा रहे हैं।

कार्प ने एआई के विकास के लिए एनर्जी और टेक्निकल जानकारी को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि एआई के सामने आने वाली बड़ी बाधाओं में ऊर्जा और तकनीकी प्रतिभा शामिल हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हर देश के पास अपनी अलग तकनीकी क्षमताएं होती हैं और उन्हें उसी आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्प ने एआई को पिछले सौ वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह शायद पिछले 100 वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हो सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि एआई का इस्तेमाल अच्छे और बुरे दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

कार्प ने कहा इसका इस्तेमाल अच्छे कामों के लिए भी हो सकता है और गलत कामों के लिए भी। इसलिए जरूरी है कि विशेषज्ञ इसकी निगरानी करें। हर देश को अपनी जरूरतों के हिसाब से स्वतंत्र और स्वदेशी एआई सिस्टम विकसित करना होगा।

उन्होंने कहा, इस सम्मेलन की सबसे दिलचस्प बात यह है कि हर देश को यह तय करना होगा कि वह अपना खुद का एआई सिस्टम कैसे विकसित और नियंत्रित करेगा।

64MP कैमरा और 5700MAH बैटरी के साथ PHILIPS का 5G फोन भारत में लॉन्च, बस इतनी है कीमत

नई दिल्ली (उत्तम हिन्दू न्यूज)= होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अपनी धाक जमाने वाला दिग्गज ब्रांड फिलिप्स (Philips) अब भारत के स्मार्टफोन बाजार में धमाकेदार वापसी कर चुका है। कंपनी ने भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपना नया 5G स्मार्टफोन Philips S7221 5G आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन इंडिया पर बिक्री के लिए उपलब्ध यह हैंडसेट बड़ी स्क्रीन, दमदार बैटरी पैक और हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे के साथ मिड-रेंज सेगमेंट में मौजूद प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के पसीने छुड़ाने के इरादे से उतारा गया है।

किफायती दाम में दो स्टोरेज ऑप्शन और शानदार कलर्स

Philips S7221 5G को कंपनी ने दो अलग-अलग वेरिएंट में पेश किया है। इसके बेस मॉडल में 6GB रैम के साथ 128GB इंटरनल स्टोरेज दी गई है, जिसकी शुरुआती कीमत 20,499 रुपये तय की गई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई

2001-20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा- समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है।

बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर बिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडिया के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा- समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है।

अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार एवं विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। 'राष्ट्रीय चैंपियन' (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यत: नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई। 2020 आते-आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010-11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है।

बेटियों के सपनों को मिला क्रिकेट का अपना आंगन

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

भारत को पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिलना महज खेल-जगत की खबर नहीं, महिला क्रिकेट के बदलते दौर का संकेत है। दशकों तक पुरुष क्रिकेट की तेज धारा के किनारे बहने वाला महिला क्रिकेट अब अपनी राह बना रहा है। श्रीलंका से आयोजन छिनकर भारत को मिलना इसी बदलाव को रेखांकित करता है। एक ओर श्रीलंका क्रिकेट संस्था में सरकारी हस्तक्षेप के कारण विश्व मंच पर पीछे हुआ, दूसरी ओर भारत अपनी व्यवस्थागत क्षमता और बढ़ते प्रभाव से आगे आया। फरवरी 2027 (14 से 28 फरवरी) में मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला छह टीमों का यह टूर्नामेंट इसलिए महत्वपूर्ण है कि महिला क्रिकेट अब पुरुष क्रिकेट की छाया नहीं रहा; उसने अपनी पहचान बना ली है और क्रिकेट की दिशा प्रभावित करने की ताकत भी अर्जित कर ली है।इस कहानी की नींव 1978 में पड़ी थी, जब भारत ने दूसरी महिला विश्व कप प्रतियोगिता की मेजबानी की, जो उसका पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी था। तब महिला क्रिकेट के पास न भरे स्टेडियम थे, न बड़े प्रसारण और न प्रायोजकों की कतार। फिर भी उस आयोजन ने भारतीय जमीन पर बीज बो दिया। करीब पांच दशक बाद वही बीज मजबूत वृक्ष बन चुका है। आईसीसी के सामने बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और भारत विकल्प थे, लेकिन मेजबानी भारत को मिली। यह फैसला केवल सुविधाओं और आयोजन-अनुभव का परिणाम नहीं, भारतीय महिला क्रिकेट पर बढ़े भरोसे की मुहर है। हालिया विश्व कप की सफलता और घरेलू लीग की लोकप्रियता ने साबित किया है कि भारतीय दर्शकों की क्रिकेट-दीवानगी अब पुरुष और महिला के खांचे में बंटी नहीं है।

श्रीलंका से आयोजन हटना इस कहानी का दूसरा और अधिक गंभीर पहलू है। खेल का मैदान राजनीति से अलग दिख सकता है, लेकिन खेल संस्थाएं उससे अछूती नहीं रह सकतीं। क्रिकेट संस्था की स्वतंत्रता पर सरकारी हस्तक्षेप का साया पड़े तो मामला केवल प्रशासन का नहीं, अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता का बन जाता है। श्रीलंका इसी संकट की कीमत चुका रहा है। भारत को मेजबानी मिलना इसलिए उपलब्धि के साथ जिम्मेदारी भी है। मुंबई और वडोदरा का चयन इस जिम्मेदारी के दो रंग सामने रखता है—मुंबई की समृद्ध क्रिकेट परंपरा और वडोदरा की उभरती खेल-ऊर्जा। अब ये मैदान सिर्फ चौकों-छक्कों के गवाह नहीं होंगे; यहां उन लड़कियों के सपनों को भी आकार मिलेगा, जो गांवों और छोटे शहरों में बल्ला थामकर बड़े मंच का सपना देख रही हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी : आस्था से आत्मबोध तक

अवनीश कुमार गुप्ता

कृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें धर्म और दर्शन के साथ लोकजीवन, साहित्य, संगीत, कला और सामाजिक चेतना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर आशा, विवेक, प्रेम और कर्तव्यबोध को जागृत करने का अवसर भी है। कृष्ण का व्यक्तित्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही व्यावहारिक और मानवीय भी। वे बालकृष्ण के रूप में जीवन की सहजता, मित्र के रूप में आत्मीयता, गीता के उपदेशक के रूप में कर्म और विवेक तथा महाभारत के मार्गदर्शक के रूप में नीति और निर्णय की दृष्टि प्रदान करते हैं। मान्यता है कि श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में मथुरा की कारागार में हुआ। उस समय कंस के अत्याचार से समाज भयभीत था और देवकी-वसुदेव बंदी जीवन जी रहे थे। कृष्ण का जन्म इसी अंधकार के बीच हुआ। इसलिए उनकी जन्मकथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि आशा और परिवर्तन का प्रतीक भी बन गई। कारागार के अंधकार से गोकुल के खुले और आनंदपूर्ण वातावरण तक कृष्ण की यात्रा यह संदेश देती है कि विपरीत परिस्थितियां परिवर्तन की संभावनाओं को समाप्त नहीं कर सकतीं।कंस के पास सत्ता और भय पैदा करने की शक्ति थी, लेकिन वह भविष्य को अपने नियंत्रण में नहीं रख सका। कृष्ण की कथा भारतीय मानस में यह विश्वास पैदा करती है कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, वह स्थायी नहीं होता। न्याय और सत्य की आकांक्षा अंतत: अपना रास्ता बनाती है। यही कारण है कि जन्माष्टमी आज भी आशा, साहस और सकारात्मक परिवर्तन का पर्व मानी जाती है।

कृष्ण का बालरूप इस गंभीर दर्शन को आनंद और सहजता से जोड़ता है। गोकुल और वृंदावन के कृष्ण माखनचोर हैं, ग्वाल-बालों के मित्र हैं और यशोदा के लाड़ले हैं। उनकी बाल लीलाओं में प्रेम, हास्य और सामुदायिक जीवन की आत्मीयता दिखाई देती है। भारतीय परंपरा ने ईश्वर को केवल गंभीर और दूरस्थ सत्ता के रूप में नहीं देखा, बल्कि बालक के रूप में भी अनुभव किया। यही कारण है कि जन्माष्टमी पर घरों में बाल गोपाल का श्रृंगार किया जाता है, पालना सजाया जाता है और उन्हें परिवार के सदस्य की तरह स्नेह दिया जाता है।

आधुनिक जीवन में कृष्ण का यह बालरूप विशेष अर्थ रखता है। प्रतिस्पर्धा, तनाव और उपलब्धि की निरंतर दौड़ में मनुष्य सहज आनंद

और आत्मीय संबंधों से दूर होता जा रहा है। कृष्ण की बाल लीलाएं याद दिलाती हैं कि जीवन केवल लक्ष्य प्राप्त करने का माध्यम नहीं है। उसमें मित्रता, परिवार, हंसी, प्रेम और प्रकृति के लिए भी पर्याप्त स्थान होना चाहिए। जन्माष्टमी पर मध्यरात्रि पूजा की विशेष परंपरा है। मंदिरों और घरों में कृष्ण जन्म के समय भजन-कीर्तन, आरती, शंखध्वनि और अभिषेक किया जाता है। बाल गोपाल का श्रृंगार कर उन्हें पालने में झुलाया जाता है। आधी रात में होने वाला यह उत्सव अपने भीतर गहरा प्रतीक समेटे है—सबसे घने अंधकार के बीच प्रकाश का जन्म। यही संदेश जन्माष्टमी को केवल अनुष्ठान से आगे ले जाकर जीवन में आशा बनाए रखने की प्रेरणा देता है। व्रत भी इस पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उपवास को केवल भोजन त्यागने तक सीमित करना उचित नहीं होगा। इसका संबंध आत्मसंयम, अनुशासन और मन की एकाग्रता से भी है। आज मनुष्य इच्छाओं, उपभोग और लगातार बढ़ती सूचना के दबाव में जी रहा है। ऐसे समय में संयम का अभ्यास व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझने का अवसर देता है। जन्माष्टमी इसलिए आत्मअनुशासन और आत्ममंथन का पर्व भी बन सकती है।दही-हांडी जन्माष्टमी के लोकपक्ष को सबसे अधिक जीवंत बनाती है। कृष्ण की माखनचोरी से जुड़ी यह परंपरा सामूहिक प्रयास और सहयोग का संदेश देती है। मानव-पिरामिड में ऊपर पहुंचने वाला व्यक्ति अकेले लक्ष्य हासिल नहीं करता; उसके पीछे अनेक लोगों का श्रम और विश्वास होता है। यह सामाजिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण रूपक है कि बड़ी उपलब्धियां अक्सर सामूहिक सहयोग से संभव होती हैं। हालांकि ऐसे आयोजनों में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उत्सव की ऊर्जा तभी सार्थक है, जब परंपरा के साथ प्रतिभागियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।कृष्ण के व्यक्तित्व का सबसे व्यापक दार्शनिक पक्ष भगवद्गीता में दिखाई देता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन का संकट केवल युद्ध का संकट नहीं था। वह कर्तव्य, मोह, भय और निर्णय के बीच फंसे मनुष्य का संकट था। कृष्ण ने उसे कर्म, ज्ञान, योग और धर्म की दृष्टि से परिस्थिति को समझने की प्रेरणा दी। कर्मयोग का मूल संदेश मनुष्य को अपने दायित्व से पलायन करने के बजाय निष्ठा और विवेक के साथ कर्म करने की ओर ले जाता है। यह दर्शन वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। विद्यार्थी परिणाम की चिंता में दबा है, युवा रोजगार और भविष्य को लेकर असमंजस में है तथा कामकाजी व्यक्ति निरंतर प्रतिस्पर्धा के दबाव में है। परिणाम की अत्यधिक चिंता कई बार वर्तमान कर्म को कमजोर कर देती है। कृष्ण का संदेश मनुष्य को अपने प्रयास की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने और परिस्थितियों के बीच संतुलित दृष्टि बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कृष्ण केवल आध्यात्मिक गुरु नहीं, बल्कि परिस्थितियों को समझने वाले कुशल रणनीतिक मार्गदर्शक भी हैं। महाभारत में वे नीति, न्याय और राजनीतिक यथार्थ के बीच संतुलन साधते दिखाई देते हैं। उनका व्यक्तित्व बताता है कि धर्म केवल नियमों का यांत्रिक पालन नहीं है। न्यायपूर्ण निर्णय के लिए परिस्थिति, व्यापक हित और संभावित परिणामों को समझना भी आवश्यक है। यही कारण है कि कृष्ण भारतीय चिंतन में नैतिकता और व्यावहारिक नीति के संबंध को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।राधा-कृष्ण की परंपरा ने प्रेम को भक्ति के व्यापक दर्शन से जोड़ा। कृष्ण के प्रति प्रेम में भक्त और भगवान के बीच की दूरी कम होती है। इसी भावभूमि ने भारतीय साहित्य, संगीत, नृत्य और चित्रकला को गहराई से प्रभावित किया। सूरदास, मीराबाई और रसखान जैसे भक्त कवियों की रचनाओं में कृष्ण अलग-अलग भावों में दिखाई देते हैं। इससे कृष्ण की सांस्कृतिक उपस्थिति की व्यापकता स्पष्ट होती है।

जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे

हरिशंकर व्यास

मैंने जनसंघ, भाजपा को बढ़ते-बनते देखा है। लोकसभा की दो सीट (1984) व 7.7 प्रतिशत वोटों से 282 सीटें (2014) तथा 31.3 प्रतिशत वोट प्राप्ति का विकास भी देखा। 1984 से 2014 के इन तीस वर्षों में भाजपा-संघ की तब पूंजी थी चाल, चेहरा और चरित्र। और इसी के क्रम में 2014 में नरेंद्र मोदी ने एकछत्र सत्ता पाई। वह सब अब उस खोखे में कनवर्ट है, जिसका न कोई धर्म है, न ईमान और न चरित्र। इन बारह वर्षों में अमित शाह से मौजूदा नितिन नवीन की अध्यक्षता की भाजपा भारत की राजनीति का वह खोखा बन चुकी है, जो गुजराती-मारवाड़ी धनपशुओं की कॉर्पोरेट शेल (खोखा) कंपनियों की धंधेबाजी का मात्र एक मॉडल है।

खोखा मॉडल मतलब दिखावे के लिए, ऊपरी तौर पर एक वैध, कानूनी और जीवंत ढांचे की झांकी है, लेकिन असल में एक मालिक के स्वामित्व, निर्णय-शक्ति, उसकी निज संपत्ति व निज भूख का वह भभका होता है, अनैतिक धंधा होता है। जैसे अरबपतियों के कॉर्पोरेशन की खोखा कंपनियां कागजों पर निदेशक, वार्षिक बैठकें और शेयरधारकों की मौजूदगी दिखाती हैं, लेकिन किसी के पास रियल फैसलों का अधिकार नहीं होता, वैसे ही नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने पूरी भाजपा, उसकी हर स्तर की सत्ता, संगठनात्मक मोर्चों को खोखा कंपनियों में बदल दिया है। पूरे ताने-बाने में नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी चेहरे का अर्थ नहीं है।

तभी इस सप्ताह मैंने नितिन नवीन की अध्यक्षता के पदाधिकारियों की लिस्ट देखी तो तत्क्षण मुझे 1980 दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में भाजपा गठन के चेहरे याद हो आए। तब चेहरे अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी, उपाध्यक्ष आडवाणी, राम जेठमलानी, विजयराजे, के. एस. हेगड़े, सिकंदर बख्त थे। महामंत्री थे नानाजी देशमुख (शुरुआती बैठकों में मार्गदर्शक), यदुनाथ जोशी, लालजी टंडन, सुरजीत सिंह बरनाला। वही शांतिभूषण कोषाध्यक्ष। कार्यकारिणी में थे मुरली मनोहर जोशी, भैरोसिंह शेखावत, शांताकुमार, सुषमा स्वराज, प्रमोद महाजन, जे. जे. कृष्णमूर्ति, आरिफ बेग, जगन्नाथराव जोशी, सुंदरसिंह भंडारी।

वाजपेयी के बाद आडवाणी तीन बार, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे एक-एक बार अध्यक्ष बने। फिर वाजपेयी-आडवाणी की सरकार बनी, तब सत्ता ने अपनी सहूलियत से अध्यक्ष बनवाए थे। बावजूद इसके संघ से सलाह करके ही तब जनसंघ-संघ में खंपे के जनाकृष्ण, बंगारू लक्ष्मण, वेंकैया नायडु के चेहरे थे। फिर राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी अध्यक्ष बने। इनके उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एक से बढ़कर एक, हैसियत वाले चेहरे थे। तीस-चालीस साल जमीनी राजनीति में खपने वाले। न तब कोई मुखौटा संस्था व चेहरे थे और न सत्तावान नेताओं ने होल्डिंग कंपनी, याकि आरएसएस को कभी औकात दिखाई। सभी जमीनी याकि मास लीडर थे। शेखावत, शांताकुमार, प्रमोद महाजन, कल्याण सिंह, सुषमा स्वराज आदि सभी अपनी-अपनी पूंजी लिए हुए थे। मजाल जो मजदूर संघ (दत्तोपंत ठेंगड़ी), स्वदेशी जागरण मंच या किसान संघ प्रधानमंत्री वाजपेयी के आगे बोलती बंद रखें या सरकार की तुताड़ी बजाएं।

तब संघ प्रमुखों और पदाधिकारियों का भी वजूद व धर्म-ईमान था। निश्चित ही 1980 में देवरस, राजेंद्र सिंह और सुदर्शन का बोलना तब मतलब रखता था। इनके समय में मौजूदा मोहन भागवत की तरह नरेंद्र मोदी या अमित शाह के आगे संघ पदाधिकारियों का भीगी बिल्ली वाला व्यवहार नहीं था। तब राममंदिर आंदोलन मामले में संघ के एक मोरोपंत पिंगले सालों कर्ताधर्ता रहे। पर वे आज के संघ प्रचारक चंपत राय (मंदिर की चंदा चोरी), कृष्णगोपाल (विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों), इंद्रेश कुमार, सुरेश सोनी आदि जैसे नहीं थे। जाहिर है प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता की अपनी भूख के साथ संघ को भी पावर के नशे में झुमा दिया है। पूरे कुएं में भांग घुली हुई है। तभी चाल-चेहरे-चरित्र में पतन का वह पैंदा है, जिसके चलते दुनिया में भारत अब उभरता हुआ नहीं, बल्कि कॉकरोचों, गधेड़ों, दिमागी नक्सलियों जैसी बातों वाला देश है।

सोचें, भाजपा की नई टीम के चेहरों पर। नितिन नवीन की अध्यक्षता के मातहत अब राम माधव और वसुंधरा राजे बतौर उपाध्यक्ष हैं। यह इनका मान है या अपमान? बारह वर्षों से राम माधव दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों की भीड़ मोदी के लिए जुटवाई। मतलब जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे। उस हिसाब से मोदी को एक नौकरशाह जयशंकर की जगह राम माधव को विदेश मंत्री रखना था। लेकिन माधव क्योंकि राजनीतिक चेहरा हैं, वे बौने नहीं हैं तो नाकाबिल। दूसरी तरह देखें नितिन नवीन हाल में स्वयं की विधानसभा सीट पर भाजपा को नहीं जितवा पाए थे लेकिन वे वसुंधरा राजे के बॉस हैं।यदि वसुंधरा राजे को संगठन के प्रमुख पद, राष्ट्रीय महामंत्री पद दिया जाता, तब भी उनके नाम से पद की धमक बनती। पर इस पद पर स्मृति ईरानी को बैठाया और हवाबाजी यह कि उनके और उन जैसे नए चेहरों से भाजपा युवाओं का दिल जीतेगी।सो नितिन नवीन और भाजपा की नई टीम का एक ही मतलब है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह का एक वह खोखा, जो काम करता दिखेगा, लेकिन एक-एक बात पर मोदी-शाह के आदेशों से। ऐसी भाजपा वाजपेयी, आडवाणी से राजनाथ सिंह तक नहीं थी। तब कार्यकारिणी की बैठक हो या संसदीय बोर्ड की बैठक, सभी में पदाधिकारी अपनी-अपनी बात रखते थे, बहस करते थे। संघ से पूछते थे। सभी की निज हैसियत, आवाज थी। चेहरा, चाल, चरित्र था। तब न खोखा था और न उस पर नाचते-गाते अनाम, बौने लोग। इसलिए तब और अब का फर्क यह भी है कि प्रधानमंत्री वाजपेयी और गृहमंत्री आडवाणी जब सरकार चला रहे थे, तब उनका, उनकी सरकार का पक्ष-विपक्ष, देश-दुनिया में मान था, आदर था। उन्हें किसी ने गाली नहीं दी। न पुरानी पीढ़ी ने दी, न युवा लड़के-लड़कियों ने दी। न वे सोशल मीडिया या मीडिया में मजाक बने। जैसा कि इस समय, मोदी-शाह के राज में हर दिन का ट्रेंड होता है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मेहनत जारी रखनी होगी, सफलता जल्द ही आपके कदम चूमेगी। आज आप उन चीजों को महत्व देंगे जो आपके लिए महत्वपूर्ण है।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपकी मेहनत और लगन से आपका अधूरा काम पूरा हो जायेगा। किसी जरूरतमंद को वस्त्र दान करेंगे लोग आपकी कद्र करेंगे। बिजनेस के काम की वजह से आपको दूसरे शहर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्रॉकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, जिससे रिलेक्स महसूस करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रुचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास अच्छा रहेगा। आज आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए कोचिंग जॉइन करेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनको कंपनी की तरफ से विदेश टूर पर जाने का मौका मिलेगा। होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रहे छात्रों को जॉब के लिये कोई बड़ा ऑफर मिलेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। ऑफिस में आपके हार्डवर्क को देखते हुए बॉस आपकी सैलरी में इन्क्रीमेंट कर सकते हैं। जॉब की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत आज रंग लाएगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आप प्रॉपर्टी डीलर है, तो आपको आज अधिक फायदा होगा। काम के प्रति भागदौड़ बनी रहेगी, धैर्य के साथ काम को अच्छे तरीके से करें।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। ग्राफिक डिजाईन के स्टूडेंट्स आज कुछ नया क्रिएटिव करेंगे, साथ ही अपने जूनियर्स को भी सिखायेंगे। आज आप किसी कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए अपने दोस्त के साथ जायेंगे। आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करके नए काम पर भी ध्यान देंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। आप ऐसे लोगों से मिलेंगे, जो भविष्य में आपकी मदद करेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, पढ़ाई में मन लगेगा। किसी अनुभवी की सलाह से आपको धन लाभ मिलेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज अपने काम पर फोकस करें, काम सफल होगा। मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों को आज इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। आज आप अपने बच्चों को उपहार देंगे। बच्चों का मन प्रसन्न होगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहद ही सुनहरा रहेगा। समाज में आपके कामों की तारीफ होगी, आपका लोगों पर इम्प्रेशन अच्छा जमेगा। घर के डेकोरेशन का वर्क करवाने के लिए आप अपने परिवार वालों से सलाह लेकर काम करवाएंगे। माता-पिता का सहयोग मिलेगा उनके साथ आप किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जायेंगे।

सकल घरेलू उत्पाद में भारत का प्रभावशाली प्रदर्शन

7.8 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि के साथ 2026-27 की मजबूत शुरुआत

2026-27 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था की शुरुआत मजबूती के साथ हुई जिसमें विनिर्माण और सेवाओं के अच्छे प्रदर्शन के साथ पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत तक वृद्धि हुई जबकि वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि में 8.2 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। निवेश 11.9 प्रतिशत तक बढ़ गया; घरेलू खपत 7.1 प्रतिशत बढ़ गई और निर्यात 12.0 प्रतिशत बढ़ गया। यह गति जुलाई में भी जारी रही। औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अप्रैल-जुलाई के दौरान संचयी व्यापारिक और सेवाओं के निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष 13.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जुलाई में उद्योग और सेवाओं के लिए ऋण क्रमश: 20.0 प्रतिशत और 22.9 प्रतिशत बढ़ा।

भारत की समग्र आर्थिक स्थिति

भारत ने लगातार भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता के बीच 2026-27 में प्रवेश किया। इन बाहरी दबावों के बावजूद 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह परिणाम 2023-24 से 2026-27 तक चार वर्षों की अवधि के दौरान पहली तिमाही में दर्ज वास्तविक जीडीपी की उच्चतम वृद्धि को रेखांकित करता है। घरेलू मांग में तेजी तथा विनिर्माण और सेवाओं में लाभ से इसे समर्थन मिला है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। जुलाई 2026 में इसने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक और वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बताया।

भारत की ऋण संबंधी साख के मूल्यांकन में भी इसकी झलक मिलती है कि विश्व को भारत की अर्थव्यवस्था पर पूरा भरोसा है। अगस्त 2026 में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने स्थिर दृष्टिकोण के साथ भारत की बीबीबी/ए-2 सॉवरेन रेटिंग की पुष्टि की। इससे पहले, 18 वर्षों के अंतराल के बाद 2025 में इसकी दीर्घकालिक रेटिंग को बीबीबी में अपग्रेड किया गया था।

2026-27 की मजबूत शुरुआत

पहली तिमाही में विकास की गति तेज़

2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में आर्थिक विकास मजबूत हुआ। यह परिणाम इस तिमाही के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 7.0 प्रतिशत के अनुमान को पार कर गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 6.9 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

नॉमिनल जीडीपी या वर्तमान कीमतों पर जीडीपी 88.27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक लेखांकन अवधि में घरेलू अर्थव्यवस्था में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है।

वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) 73.82 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 7.0 प्रतिशत की तुलना में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

नॉमिनल जीवीए 80.53 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) अर्थव्यवस्था में उत्पादकों, उद्योगों या क्षेत्रों के व्यक्तिगत योगदान को मापता है।

संशोधित अनुमान से सुदृढ़ हुई विकास की तस्वीर

विगत तीन वित्त वर्षों के लिए वास्तविक जीडीपी को बढ़ाकर संशोधित किया गया है। संशोधनों से पता चलता है कि पहली तिमाही का प्रदर्शन पूर्ववर्ती अनुमान की तुलना में मजबूत विकास पथ का अनुसरण करता है।

संशोधित अनुमानों का आधार

वार्षिक संशोधित अनुमान आधार वर्ष 2022-23 के साथ नए मूल्य और उत्पादन सूचकांकों के उपयोग को दर्शाते हैं। इसमें आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) और बैंकिंग सर्विसेज प्राइस इंडेक्स (बीकेएसपीआई) शामिल हैं। इसमें विभिन्न स्रोतों से अद्यतन प्रशासनिक आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संशोधनों के बारे में अधिक पढ़ने के लिए, कृपया देखें= महत्वपूर्ण चीज़ों की गिनती= भारत के राष्ट्रीय खातों और मुख्य आर्थिक आँकड़ों को मज़बूत करनाविकास के कारकों की संरचना

प्रमुख व्यय घटकों में रुझान

पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को निवेश में तीव्र वृद्धि, घरेलू खपत में मजबूती और निर्यात में बढ़ोतरी का समर्थन मिला।

सोनीपत में पति-पत्नी के शव मिलने से सनसनी, दोनों ने की थी लव मैरिज

सोनीपत,(आरएनएस)। हरियाणा के सोनीपत शहर से सटे कबीरपुर गांव में एक विवाहित दंपति के शव घर के अंदर मिलने से सनसनी फैल गई। पति फंदे पर लटका हुआ मिला, जबकि पत्नी बिस्तर के पास गले में फंदा डाले मृत पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।

मृतकों की पहचान तेवरी गांव निवासी ऋतिक और रथधाना निवासी सिमरन के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार दोनों ने परिवार की इच्छा के विरुद्ध 17 मई 2024 को प्रेम विवाह किया था। दोनों स्कूल के समय से एक-दूसरे को जानते थे और शादी के बाद कबीरपुर में रह रहे थे। उनकी कोई संतान नहीं थी।

परिवार के सदस्य हिमांशु ने बताया कि ऋतिक टैक्सी चलाते थे और हाल ही में उन्होंने मिठाई की दुकान शुरू की थी। बुधवार को ही दुकान का उद्घाटन हुआ था, जहां हवन भी कराया गया। इसके बाद दोनों घर लौट आए, जबकि ऋतिक के माता-पिता काम पर चले गए। काफी देर तक फोन का जवाब नहीं मिलने पर परिजन घर पहुंचे तो दोनों को मृत पाया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण और परिस्थितियों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट व पुलिस जांच के बाद ही चलेगा। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिरमौर में भारी बारिश के बीच रून नदी में फंसे दो लोगों को बचाया

नाहन,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में ऊपरी इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद रून नदी में मंगलवार शाम जलस्तर अचानक बढ़ने से फंसे दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह घटना मंगलवार दोपहर उस समय हुई जब ग्रामीण बनारसी अपनी भैंसों को चराने नदी के पास ले गया था। जलस्तर में अचानक वृद्धि होने से नदी का जलस्तर अचानक बहुत बढ़ गया। इससे श्री बनारसी गहरे पानी में फंस गये। वह करीब तीन घंटे तक वहीं फंसे रहे। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन को सूचित किया। उसके बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। तेजी से बढ़ते जलस्तर और कठिन इलाके के कारण बचाव अभियान बेहद जोखिम भरा हो गया था। रस्सियों और उपलब्ध अन्य साधनों की मदद से नदी के तल तक पहुंचने के प्रयास असफल रहे।

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अंशुल ने श्री बनारसी को बचाने का प्रयास किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने बचाव अभियान चलाने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर की मांग की। नाहन के विधायक डॉ. राजीव बिंदल ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर बात की और हेलीकॉप्टर सहायता का अनुरोध किया। इसके बाद सेना का हेलीकॉप्टर इलाके में पहुंचा और चुनौतीपूर्ण परिस्थिति तथा अंधेरे के बीच बचाव अभियान चलाया। ग्रामीण और प्रत्यक्षदर्शी रामचंद्र के अनुसार यह अभियान काफी कठिनाइयों के बीच चलाया गया। सेना के हेलीकॉप्टर ने उन्हें एयरलिफ्ट कर सुरक्षित बाहर निकाला।

सफल अभियान के बाद, विधायक राजीव बिंदल ने मुख्यमंत्री और बचाव कार्य में शामिल लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने श्री अंशुल की मुख्यमंत्री सुक्खू से फोन पर बात भी करायी। मुख्यमंत्री ने सेना, जिला एवं पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन टीमों, स्थानीय निवासियों और इस कठिन बचाव अभियान में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

जालंधर के सुदामा विहार में व्यक्ति की मौत, पुलिस ने जांच शुरू की

जालंधर, (आरएनएस)। पंजाब में जालंधर के मोहल्ला सुदामा विहार में थाना डिवीजन नंबर सात के अंतर्गत एक व्यक्ति की संदिग्ध आत्महत्या का मामला सामने आया है। सहायक पुलिस आयुक्त मॉडल टाउन मनमोहन सिंह ने गुरुवार को बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर सात के प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के भतीजे ने पुलिस को बताया कि मृतक घर में अकेला रहता था। उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था और वह मजदूरी करता था। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

गाजीपुर में डेंजर जोन पार गंगा; पोस्ता घाट पर खुला पड़ा फ्लोटिंग बैरियर, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

गाजीपुर,(आरएनएस)। गाजीपुर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। ऐसे संवेदनशील समय में लोगों की सुरक्षा के लिए लगाए गए फ्लोटिंग बैरियर की स्थिति प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। पोस्ता घाट पर पिछले करीब एक सप्ताह से फ्लोटिंग बैरियर का एक सिरा खुला हुआ है और तेज धारा में झूल रहा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर गंगा घाटों पर डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए करीब 50 लाख रुपये की लागत से पांच घाटों पर फ्लोटिंग बैरियर लगाए गए हैं। यानी प्रत्येक घाट पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन पोस्ता घाट पर बैरियर का एक सिरा सुरक्षित नहीं होने से पूरी व्यवस्था सवालों के घेरे में है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बैरियर का दूसरा सिरा किसी तरह घाट की सीढ़ियों से बांधकर रखा गया है। जिस फ्लोटिंग बैरियर का उद्देश्य लोगों को गहरे पानी और तेज बहाव से दूर रखना है, वही अब तेज धारा में असुरक्षित स्थिति में दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन को इसकी जानकारी दिए जाने के बावजूद अब तक इसे दुरुस्त नहीं कराया गया है।स्थानीय लोगों को कहना है कि जिलाधिकारी के निर्देश के बाद सभी प्रमुख गंगा घाटों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है, लेकिन केवल पुलिस की तैनाती से सुरक्षा व्यवस्था पूरी नहीं मानी जा सकती। पोस्ता घाट पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अंतिम संस्कार और गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में गंगा के बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के बीच सुरक्षा उपकरणों का दुरुस्त रहना बेहद जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में बाढ़ का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए युद्धस्तर पर राहत कार्य करने के निर्देश

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति को लेकर मेयर अशोक तिवारी और कलेक्टर सत्येंद्र कुमार से फोन पर विस्तृत जानकारी ली। पीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री ने प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में मिल रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को तत्काल हर जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त राहत सामग्री की जरूरत होने पर तत्काल व्यवस्था करने को कहा है। पीएम ने बाढ़ और राहत कार्यों पर लगातार नजर रखते हुए युद्धस्तर पर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।पीएम मोदी वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद हैं और शहर में हो रही गतिविधियों के बारे में स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं। इससे पहले बुधवार को गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर चला गया था। जिला प्रशासन ने नावों का संचालन रोक दिया और बाढ़ प्रभावित इलाकों में निगरानी बढ़ा दी। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, वाराणसी में गंगा का जलस्तर 70.29 मीटर दर्ज किया गया, जो 70.26 मीटर के चेतावनी स्तर से ऊपर है। नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से निचले इलाकों और घाटों के पास रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।वाराणसी में गंगा का खतरे का स्तर 71.26 मीटर तय किया गया है, जबकि अब तक का सबसे ज्यादा बाढ़ का स्तर 73.90 मीटर दर्ज किया गया है।मौजूदा बाढ़ के हालात को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर गंगा नदी में नावों का संचालन रोक दिया है। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों और पर्यटकों से भी अपील की है कि वे घाटों की ओर न जाएं और तेज बहाव वाले इलाकों में जाने से बचें।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के कीव में यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से मुलाकात की।

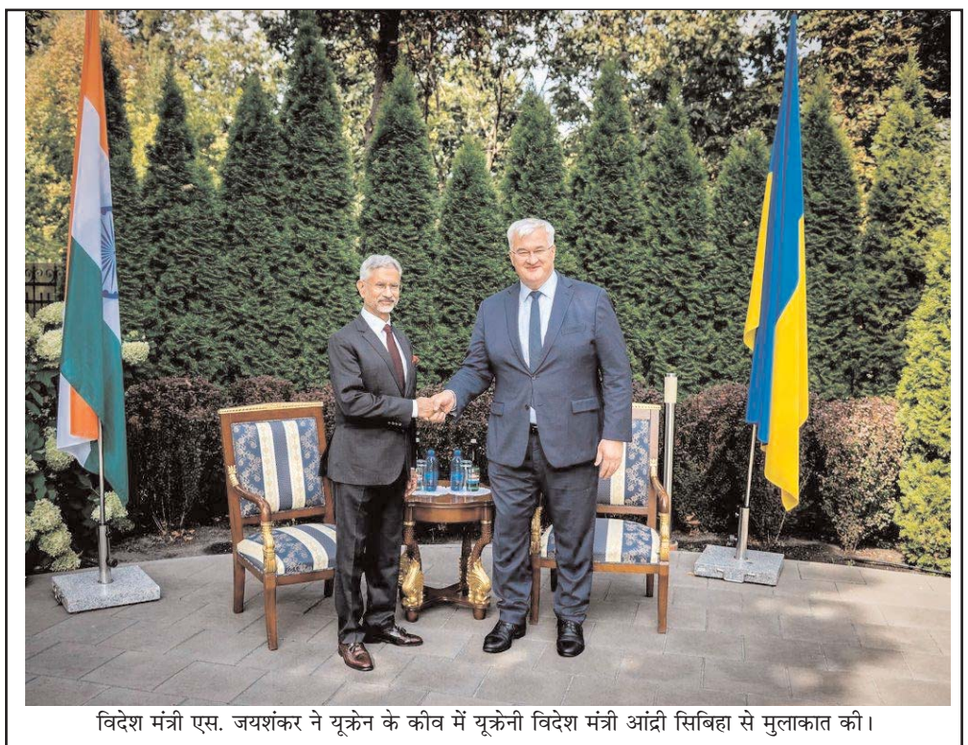

महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पर ईटक्लब के आउटलेट का लाइसेंस निलंबित

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और संचालन संबंधी कई गंभीर खामियां पाए जाने के बाद मुंबई स्थित ईटक्लब ब्रांड्स के एक आउटलेट का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एफडीए ने बताया कि यह कार्रवाई 2 सितंबर से प्रभावी है और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार की गई है। संबंधित ईटक्लब आउटलेट गोरेगांव पूर्व स्थित रॉयल पाम्स, आरे मिल्क कॉलोनी में है।यह कार्रवाई केवल इसी प्रतिष्ठान पर लागू होगी और कंपनी के अन्य आउटलेट इससे प्रभावित नहीं होंगे। ईटक्लब के अंतर्गत बॉक्स8 और मोजो पिज्जा समेत कई लोकप्रिय फूड ब्रांड संचालित होते हैं।

एफडीए द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निरीक्षण के दौरान आउटलेट में खाद्य पदार्थों, पैकेजिंग सामग्री और रसायनों के भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं पाई गई। इसके अलावा परिसर में खराब स्वच्छता, हाथ धोने की अपर्याप्त सुविधाएं, पर्याप्त रोशनी और वेंटिलेशन की कमी तथा कीट नियंत्रण व्यवस्था में खामियां भी सामने आईं।निरीक्षण टीम ने पाया कि पीछे के दरवाजे से कीटों और चूहों के प्रवेश को रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। साथ ही खाद्य तैयारी में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खाद्य सुरक्षा खतरों के लिए ठीक से जांच और सफाई भी नहीं की जा रही थी।एफडीए के अनुसार, खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे एप्रन, दस्ताने, हेडगियर और शू-कवर उपलब्ध नहीं थे। कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मेडिकल जांच से जुड़े रिकॉर्ड भी अधूरे पाए गए।

अभिषेक बनर्जी के ऑफिस में तोड़फोड़ मामले में 6 गिरफ्तार, टीएमसी महासचिव ने भाजपा पर लगाए थे आरोप

कोलकाता, (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ के मामले में कोलकाता पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उनके पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की है।

उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो जारी कर पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ का आरोप लगाया और इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि तोड़फोड़ गुरुवार सुबह करीब 4 बजे हुई और आरोपियों ने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की।

उन्होंने मांग की थी कि घटना के सीसीटीवी फुटेज को सार्वजनिक किया जाए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। अभिषेक बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा था, आज सुबह-सुबह भाजपा ने मेरे पार्टी ऑफिस में यही किया है। क्या पश्चिम बंगाल के राज्यपाल कार्रवाई करेंगे? क्या केंद्रीय गृह मंत्री कार्रवाई करेंगे? क्या पीएमओ कार्रवाई करेगा? या वे दूसरी तरफ देखते रहेंगे?

उन्होंने कहा था कि अब समय आ गया है कि न्यायपालिका, विशेष रूप से कलकत्ता हाईकोर्ट, इस बात पर गंभीरता से ध्यान दे कि पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए कार्रवाई करे। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस घटना को लेकर सीएम सुवेंदु अधिकारी पर तीखा हमला बोला था।

2 घंटे तक ऑक्सीजन के लिए तरसी 90 वर्षीय बुजुर्ग! परिजनों ने लगाया अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप

पांवटा साहिब, (आरएनएस)। सिविल अस्पताल पांवटा साहिब में सांस लेने में दिक्कत के चलते भर्ती 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला को कथित तौर पर करीब दो घंटे तक ऑक्सीजन के बिना रहना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि ऑक्सीजन सिलिंडर खत्म होने के बाद उन्होंने ड्यूटी स्टाफ से कई बार सिलिंडर बदलने की गुहार लगाई, लेकिन काफी देर तक उनकी बात नहीं सुनी गई। मामला मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1100 तक पहुंचने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और ऑक्सीजन सिलिंडर बदला गया।

मामला गिरिपार क्षेत्र के बाईला-गुजोन गांव की रहने वाली मुंगा देवी का है, जो सिविल अस्पताल के फीमेल वार्ड में उपचाराधीन हैं। परिजनों के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे महिला को लगाया गया ऑक्सीजन सिलिंडर खत्म हो गया था। इसके बाद उन्होंने ड्यूटी स्टाफ से नया सिलिंडर लगाने का आग्रह किया, लेकिन शाम करीब पांच बजे तक ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं हो सकी। परिजनों का कहना है कि इस दौरान बुजुर्ग महिला को सांस लेने में परेशानी होती रही।

कोड़गा पंचायत के उपप्रधान सियाराम शर्मा ने भी मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन के समक्ष शिकायत रखी। परिजनों का आरोप है कि ऑक्सीजन की मांग को लेकर ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स से दोबारा बात करने पर उनके साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया और पुलिस बुलाने की धमकी दी गई।

शिकायत में तीमारदारों ने स्टाफ नर्स पर उन्हें वार्ड के दरवाजे से बाहर धक्का देने और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप भी लगाए हैं। परिजनों ने घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग होने का दावा किया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित स्टाफ नर्स का पक्ष सामने आना बाकी है।

अस्पताल में तत्काल समाधान नहीं होने पर परिजनों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1100 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद अस्पताल प्रशासन ने ऑक्सीजन सिलिंडर बदलकर बुजुर्ग महिला को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाई।

घटना के बाद अस्पताल में अन्य मरीजों और तीमारदारों में भी नाराजगी की बात सामने आई है। लोगों ने अस्पताल प्रशासन से ऑक्सीजन जैसी जरूरी चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था दुरुस्त रखने और मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। परिजनों की ओर से वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को लिखित शिकायत देने की बात भी कही गई है। शिकायत में ऑक्सीजन उपलब्ध करवाने में हुई देरी और संबंधित स्टाफ के व्यवहार की जांच की मांग की गई है।

पलामू में विधायक आवास के पास युवक की गोली मारकर हत्या, विरोध में सड़क पर उतरे लोग

मेदिनीनगर,(आरएनएस)। झारखंड के पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में देर रात बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान ओमप्रकाश सिंह उर्फ छोटू सिंह के रूप में हुई है। वारदात पुरंदर बीघा गांव के पास जपला-दंगवार मुख्य सड़क पर विधायक संजय कुमार सिंह यादव के आवास के पास हुई। जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश सिंह अपनी स्कॉर्पियो रोककर किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उनकी कनपटी में गोली मार दी।उन्होंने भागने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने उन पर कई गोलियां बरसाईं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ओमप्रकाश सिंह का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। हुसैनाबाद थाने में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और शराब तस्करी सहित करीब आठ मामले दर्ज थे। वह कुछ महीने पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। पुलिस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और आपसी दुश्मनी समेत अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके की नाकेबंदी कर जांच शुरू की। वारदात के समय मौके पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल देखे जाने की जानकारी मिली है। फायरिंग के तुरंत बाद मोटरसाइकिल सवार वहां से तेजी से निकल गया।

महाराष्ट्र : चीनी मिलों के लिए राहत पैकेज, सरकार लाएगी 2,000 करोड़ की आसान ऋण योजना

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सहकारी चीनी मिलों के लिए आसान लोन योजना और बाय प्रोडक्ट पॉलिसी लाई जाएगी। सहकारी चीनी मिलों को आर्थिक स्थिरता देने और गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सरकार केंद्र सरकार की पॉलिसी के आधार पर एक सॉफ्ट लोन स्कीम शुरू करने जा रही है।

डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मंजूरी के लिए राज्य कैबिनेट के सामने तुरंत एक औपचारिक प्रस्ताव पेश करें। प्रस्तावित योजना के तहत, योग्य सहकारी चीनी मिलों को लगभग 2,000 करोड़ का कम ब्याज वाला सॉफ्ट लोन फंड मिल सकेगा। इन लोन को चुकाने के लिए 7 साल का समय मिलेगा और राज्य सरकार सालाना लगभग 100 करोड़ रुपए का ब्याज का बोझ उठाएगी। यह फंड हर फैक्ट्री की गन्ना पेराई क्षमता और आर्थिक स्थिति की समीक्षा के बाद डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक (डीसीसीबी) और महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (एमएससीबी) के जरिए दिया जाएगा। सरकार की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है कि जब राज्य की चीनी मिलें भारी आर्थिक संकट से जूझ रही हैं और उन पर पिछले पेराई सीजन का किसानों का लगभग 200 करोड़ का बकाया है। इस फंड से मिलों को बकाया चुकाने और आने वाले पेराई सीजन के लिए आसानी से तैयारी करने में मदद मिलेगी।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने चीनी उद्योग की कच्ची चीनी उत्पादन पर निर्भरता कम करने और उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए चीनी उप-उत्पादों पर केंद्रित एक स्वतंत्र और व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस रोडमैप का उद्देश्य सौर ऊर्जा, को-जनरेशन बिजली, प्रथम और द्वितीय पीढ़ी (1जी और 2 जी) एथेनॉल, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी), ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) जैसे वैकल्पिक क्षेत्रों में विनिर्माण और प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ावा देना है।मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सुनेत्रा पवार ने कहा कि मूल्य संवर्धित उप-उत्पादों में विविधीकरण से उद्योग की दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती बढ़ेगी, आय के नए स्रोत विकसित होंगे और गन्ना किसानों को मौसमी मूल्य अस्थिरता से सुरक्षा मिलेगी।सहकारी चीनी कारखानों के सूत्रों ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान में कारखानों को केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित फेयर एंड रेम्यूनरेटिव प्राइस व्यवस्था (एफआरपी) के तहत गन्ना आपूर्ति के 14 दिनों के भीतर किसानों को भुगतान करना अनिवार्य होता है।

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा पहुंचे अयोध्या, बोले- जीवन में दूसरी बार सेवा का मौका मिला

अयोध्या, (आरएनएस)। राम मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश सेवा के बाद अब उन्हें भगवान श्रीराम की सेवा का अवसर मिला है।

राम मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस नई ज़िम्मेदारी को संभालने के बाद अयोध्या का यह मेरा पहला दौरा है। पहले मैं जाकर अपना पद संभाल लूं, उसके बाद ही योजनाओं के बारे में बताऊंगा। मैं सलेक्शन कमेटी और ट्रस्ट का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह भगवान राम की कृपा भी है, इसलिए मैं और ज़्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। मेरा दिल आभार से भरा है और मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानता हूं कि मुझे जिंदगी में दो बार यह जिम्मेदारी मिली है। एक बार देश की सेवा करने की और अब भगवान राम, मंदिर और उसके भक्तों की सेवा करने की, जिसके लिए मुझे इसके संगठन और प्रशासन का काम सौंपा गया है।एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि मैं इसी इलाके का रहने वाला हूं और अक्सर देवरिया, गोरखपुर और वाराणसी जाता रहता हूं। हमारा राज्य और देश तेजी से तरक्की कर रहे हैं और अयोध्या का भी उसी तरह विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे कार्यभार संभालने दीजिए। भविष्य में और जानकारी दी जाएगी।बता दें कि अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बुधवार को भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया था।लंबे सैन्य अनुभव और बड़े संस्थानों के संचालन में दक्षता रखने वाले मिश्रा अब राम मंदिर की दैनिक प्रशासनिक व्यवस्था, श्रद्धालु सुविधाओं और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। सीईओ के चयन के लिए गठित समिति ने ट्रस्ट को तीन नामों का पैनल सौंपा था।

ट्रंप बोले- होर्मुज पर अमेरिका का नियंत्रण, हम ईरान पर किसी भी वक्त हमले को तैयार

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के साथ तनाव बढ़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश ईरान पर किसी भी समय फिर से हमला करने के लिए तैयार है। ओवल कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ईरान पर तगड़ी जासूसी को लेकर भी दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान के नेता बिना अमेरिका की नजर में आए बाथरूम भी नहीं जा सकते।

ट्रंप ने कहा, आपको पता है, हमने होर्मुज जलडमरूमध्य से सभी बारूदी सुरंगें हटा दीं। वे ऐसा रॉकेट बनाने की कोशिश कर रहे थे जो बारूदी सुरंगें गिरा सके। ऐसा कौन करता है? क्या आपने कभी कोई ऐसा रॉकेट बनाया है जो बारूदी सुरंगें गिराता हो? मैंने ऐसी किसी चीज के बारे में कभी नहीं सुना, लेकिन वे यही कर रहे थे। वे इसे बना रहे थे। यह लगभग बनकर तैयार हो गया था, इसलिए हमने इसे नष्ट कर दिया।

ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका ईरान पर जब चाहे एक और हमला करने के लिए तैयार है।उन्होंने कहा, कल रात बहुत भीषण हमला हुआ था और हम जब चाहें तब एक और हमला करने के लिए तैयार हैं। कल के हमलों में अमेरिका ने उनके रडार से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। हमने उन्हें बहुत करारा जवाब दिया है। अगर वे जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें और भी भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका अब होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम प्रतिदिन लाखों बैरल तेल से भरी कई नावें ला रहे हैं। हम ज्यादातर बिना किसी परेशानी के यह काम कर रहे हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अमेरिका दौरा 24 सितंबर को, ट्रंप ने जताई अच्छे नतीजों की उम्मीद

वॉशिंगटन (ए.)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर को अमेरिका का दौरा करेंगे। अमेरिकी यात्रा उद्योग से जुड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरे की तारीख बताई। बैठक में वह विदेशी निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चीन के साथ अमेरिका की आर्थिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर बात कर रहे थे।ट्रंप ने कहा, चीन के राष्ट्रपति 24 तारीख को यहां आ रहे हैं। यह बहुत रोमांचक होगा। उनका स्वागत करके खुशी होगी।उन्होंने कहा कि शी के साथ कई अच्छी बातें और सकारात्मक नतीजे सामने आने की उम्मीद है, हालांकि ट्रंप ने यात्रा के एजेंडे के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

घरेलू और युद्ध संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे पुतिन, अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा प्रतिबंधों का असर - मार्को रुबियो

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि रूस के भीतर यूक्रेन की ओर से किए जा रहे हमले और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध मिलकर रूसी अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच ऐसी व्यवस्था पर बातचीत चल रही है, जिनसे यूक्रेन भविष्य में उन्नत मिसाइल रोधी रक्षा प्रणालियों का उत्पादन कर सके।एक इंटरव्यू में रूस, ईरान और यूक्रेन युद्ध पर बात करते हुए रुबियो ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस समय कई घरेलू और युद्ध संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमलों के साथ-साथ प्रतिबंधों का रूसी अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा असर उनकी बड़ी चिंताओं में शामिल है।हालांकि रुबियो ने आर्थिक नुकसान के बारे में कोई विशेष आंकड़ा नहीं दिया और न ही किसी खास यूक्रेनी हमले का नाम लिया।हाल के समय में यूक्रेन लंबी दूरी के ड्रोन और अन्य हथियारों का इस्तेमाल करके रूस के अंदर सैन्य और ऊर्जा से जुड़े ठिकानों को निशाना बना रहा है। वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी देश लगातार प्रतिबंधों के जरिए मॉस्को पर दबाव बनाए हुए हैं।रुबियो ने यूक्रेन की ओर से पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और इंटरसेप्टर मिसाइलों की बढ़ती मांग पर भी बात की।उन्होंने कहा कि? आज पूरी दुनिया अधिक एयर इंटरसेप्टर मिसाइलें चाहती है। यह सिर्फ यूक्रेन की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बड़ी रक्षा जरूरत बन गई है। अमेरिका को दूसरे देशों को हथियार देने से पहले अपनी रक्षा जरूरतों का भी ध्यान रखना पड़ता है।उन्होंने कहा, 卐हमारी अपनी न्यूनतम रक्षा आवश्यकताएं हैं और उन्हें पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। उसके बाद ही हम अन्य देशों को मदद दे सकते हैं।卐

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपनी उपलब्ध क्षमता और संसाधनों के अनुसार यूक्रेन की सहायता जारी रखेगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका यूक्रेन को मिसाइल रक्षा प्रणालियां बनाने का लाइसेंस देने के खिलाफ है, तो रुबियो ने बताया कि इस विषय पर बातचीत जारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई समझौता हो भी जाता है तो इससे यूक्रेन की तत्काल जरूरतें पूरी नहीं होंगी। फैक्ट्रियां खड़ी करने और उत्पादन बढ़ाने में कई साल लगते हैं। इसलिए यह भविष्य में संभव हो सकता है, लेकिन इससे मौजूदा समस्या का तुरंत समाधान नहीं होगा। रुबियो ने बताया कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर भी सहयोग की संभावनाओं पर बातचीत चल रही है।

किम जोंग-उन ने शिक्षा को बताया सरकारी जिम्मेदारी, शिक्षकों को बताया 'देशभक्त'

सोल(आरएनएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन बुधवार को शिक्षकों के सम्मेलन में शामिल हुए। शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी भूमिका अगली पीढ़ी के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों को देश के भविष्य को तैयार करने की पहली पंक्ति में खड़े 'देशभक्त' बताया।

योनहाप ने उत्तर कोरिया की न्यूज एजेंसी केसीएनए के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में 15वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। किम जोंग-उन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उत्तर कोरिया में शिक्षक सम्मेलन फरवरी 2019 के बाद पहली बार आयोजित हुआ।किम ने कहा कि शिक्षा ऐसी सबसे महत्वपूर्ण सरकारी जिम्मेदारी है, जिसे किसी भी अन्य क्षेत्र के काम से पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को समाज में अधिक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया की शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वातावरण में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।

तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप, नेपाल-चीन में भी महसूस किए गए झटके

-विनाशकारी बाढ़ के एक सप्ताह बाद फिर कांपी धरती, फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं

ल्हासा,(आरएनएस)। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर विनाशकारी बाढ़ के करीब एक सप्ताह बाद गुरुवार को तिब्बत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 रही और इसका केंद्र धरती के भीतर करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने भूकंप की गहराई 14 किलोमीटर बताई है।भूकंप के झटकों से तिब्बत के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी कंपन महसूस किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फिलहाल भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप के बाद आसपास के इलाकों में 3 से 4 तीव्रता तक के झटके महसूस किए जाने की भी जानकारी है।

का केंद्र उत्तराखंड के उत्तरकाशी से करीब 202 किलोमीटर और जम्मू-कश्मीर से लगभग 118 किलोमीटर दूर बताया गया है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र के कई इलाकों में लोगों के बीच चिंता बढ़ गई।

इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्टों में उत्तराखंड के जोशीमठ में भी 5.1 तीव्रता का भूकंप आने का दावा किया गया है। हालांकि, इस भूकंप की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जोशीमठ और आसपास का क्षेत्र पहले भी भूकंप के झटकों को लेकर संवेदनशील रहा है।

गौरतलब है कि 26 अगस्त को तिब्बत में एक हिमनद झील के फटने के बाद आई भयावह बाढ़ ने नेपाल और चीन के सीमावर्ती इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। अचानक आई बाढ़ ने सीमाई कस्बों, गांवों और घाटियों को बुरी तरह प्रभावित किया। कई क्षेत्रों में भारी मात्रा में कीचड़ और मलबा जमा हो गया है, जबकि कई गांवों और बस्तियों का अस्तित्व तक मिट गया।

बाढ़ के बाद दोनों देशों में राहत और बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

गुरुवार तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार नेपाल में बाढ़ और उससे जुड़ी आपदा में 1,252 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4,200 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। वहीं चीन में इस आपदा के कारण 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 541 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

विनाशकारी बाढ़ से उबरने की कोशिश कर रहे हिमालयी क्षेत्र में आए ताजा भूकंप ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं तथा किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

फीचर

क्यों खत लिखते रहना चाहिए? जानिए 5 कारण

आजकल ईमेल और संदेशों के दौर में खत लिखना एक पुरानी आदत लगती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि खत लिखना क्यों जरूरी है? आज के डिजिटल युग में भी खत लिखने की अपनी अहमियत है। यह न केवल हमारे विचारों को साफ तरीके से व्यक्त करने में मदद करता है, बल्कि हमारे रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। आइए जानते हैं कि खत लिखने के 5 अहम कारण क्या हैं।

भावनाओं को व्यक्त करने का बेहतरीन तरीका

खत लिखना एक ऐसा माध्यम है, जिससे हम अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

कई बार हम सीधे सामने बोलने में झिझकते हैं या सही शब्द नहीं खोज पाते, लेकिन लिखित रूप में हम पूरी सोच-समझ के साथ अपने विचार रख सकते हैं। इससे हमारा संदेश साफ और स्पष्ट रहता है।

इसके अलावा लिखित शब्दों में भावनाओं का गहरा असर होता है, जो कभी-कभी मौखिक शब्दों में नहीं हो पाता।

यादों को संजोने का तरीका

खत लिखने से हम अपने अनुभवों और यादों को संजो सकते हैं।जब हम किसी खास पल को लिखते हैं तो वह पल हमारे मन में हमेशा के लिए जीवित रहता है। चाहे वह किसी खास दोस्त को लिखा गया पत्र हो या परिवार के सदस्य को भेजा गया संदेश, हर पत्र एक कहानी बयां करता है।

इन पत्रों को भविष्य में पढ़कर हम उन यादों को फिर से जी सकते हैं और अपने अतीत को याद कर सकते हैं।

रचनात्मकता को बढ़ावा देने का साधन

खत लिखना एक रचनात्मक प्रक्रिया होती है, जिसमें हम अपने विचारों को सजावट कर सकते हैं।

रंग-बिरंगे कागज, सुंदर पेन और आकर्षक लिखावट का उपयोग करके हम अपने पत्रों को खास बना सकते हैं।इसके अलावा लिखते समय हमें शब्दों का सही चयन करना पड़ता है, जिससे हमारी शब्दावली भी बढ़ती है।

इस प्रकार खत लिखना न केवल संवाद का माध्यम है बल्कि रचनात्मकता को भी बढ़ावा देता है।

संबंधों को मजबूत बनाने में मददगार

खत लिखने से हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। जब हम किसी को पत्र लिखते हैं तो वह व्यक्ति महसूस करता है कि हम उसकी परवाह करते हैं और उसके बारे में सोचते हैं। इससे हमारे संबंध अधिक गहरे और स्थायी बनते हैं।इसके अलावा खतों के माध्यम से हम अपने प्रियजनों से जुड़े रहते हैं और उनकी जिंदगी की छोटी-बड़ी बातों को जान पाते हैं।

आत्म-अनुशासन विकसित करने का तरीका

नियमित रूप से खत लिखना एक अच्छी आदत होती है, जो आत्म-अनुशासन विकसित करने में मदद करती है।जब हम नियमित रूप से किसी को पत्र लिखते रहते हैं तो यह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है और हमें समय प्रबंधन सीखने में मदद मिलती है।इस प्रकार खत लिखना केवल एक पुरानी आदत नहीं बल्कि कई लाभों से भरी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

अक्षय कुमार की सामुक के लिए अभिनेत्री की तलाश खत्म, रुक्मिणी मैत्र पर लगेगा दांव

अक्षय कुमार की साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर सामुक का ऐलान कुछ दिन पहले हुआ था। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित यह भारत की पहली एलियल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस वक्त ब्रिटेन में चल रही है। इसकी पुष्टि खुद अक्षय ने की थी। ताजा अपडेट है कि सामुक के लिए अभिनेत्री की तलाश खत्म हो चुकी है। फिल्म में अक्षय के अपोजिट महिला किरदार निभाने के लिए बंगाली सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रुक्मिणी मैत्र से बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाली फिल्मों से सफलता का स्वाद चखने के बाद, रुक्मिणी का बॉलीवुड में यह पहला कदम साबित होगा।

परियोजना से जुड़े सूत्र ने कहा, कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक अहम भूमिका के लिए मैत्र से बातचीत चल रही है। रुक्मिणी की भूमिका दिलचस्प है जो कुमार के साथ अच्छी तरह मेल खाएगी। फिल्म निर्माता एक ऐसी अभिनेत्री चाहते थे जिसमें दमदार अभिनय और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस हो।

आशीन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, सामुक का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जो 2027 में अखिल भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने का लक्ष्य रखती है।

यह फिल्म अक्षय और वि पु ल के पुनर्मिलन का प्रतीक होगी, जो आखिरी बार हॉलिडे: ए ड्यूटी (2014) के लिए साथ जुड़े थे।

फिल्म में हॉलीवुड का तड़का लगाने के लिए अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित क्रिएचर इफेक्ट्स डिजाइनर एलेक गिलिस को शामिल किया गया है।

तृषा कृष्णन ने पैनोरमा स्टूडियो से मिलाया हाथ, मनोवैज्ञानिक हॉरर की बनीं अभिनेत्री

तृषा कृष्णन को आखिरी बार सूर्या अभिनीत फिल्म करुप्पू में देखा गया था। अब उनकी अगली फिल्म पर अपडेट आया है, जो पैनोरमा स्टूडियोज की तमिल मनोवैज्ञानिक हॉरर होगी। यह स्टूडियो की पहली तमिल भाषा वाली फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री को मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इसे पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा लोकोमोटिव ग्लोबल के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें निर्माता के रूप में कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, सुंदर आरोन, विकास शर्मा और अमित डालमिया शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में राधिका सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी सह-कलाकार के रूप में नजर आएंगे। इसका शीर्षक तय होना अभी बाकी है, लेकिन शूटिंग लंदन में शुरू हो चुकी है।

निर्माता मंगत ने कहा, तमिल सिनेमा हमेशा से साहसिक, मौलिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानियों का मंच रहा है, और हम चाहते थे कि हमारी पहली तमिल फिल्म भी ठीक इसी भावना को प्रतिबिंबित करे।उन्होंने विश्वास जताया कि फिल्म दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देगी।तृषा ने हॉरर-कॉमेडी जॉनर में काम किया है, लेकिन यह पहला मौका होगा जब उन्हें बिना नाम वाली इस मनोवैज्ञानिक हॉरर में देखा जाएगा।इसके निर्देशन की कमान राजा कृष्ण मेनन ने संभाली है, जिन्हें अक्षय कुमार की एयरलिफ्ट और ईशान खट्टर की पिप्पा जैसी फिल्मों के लिए जाता जाता है।निर्माताओं के अनुसार, फिल्म की कहानी रहस्य, मानवीय भावनाओं और मनोवैज्ञानिक तनाव से भरपूर होगी। इसकी रिलीज तारीख को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

खाना बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, सेहत को होगा फायदा

खाना बनाना एक कला है, जिसमें सिर्फ तेल का इस्तेमाल ही नहीं होता। सही तरीके से खाना बनाकर हम अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने खाने को और भी सेहतमंद बना सकते हैं। इन तरीकों से आप न केवल स्वाद बढ़ा सकते हैं, बल्कि पोषण भी सुधार सकते हैं। आइए जानें कि कैसे आप रोजमर्रा की रसोई में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं।

तेल का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय तेल का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। ज्यादा तेल से न केवल खाने का स्वाद बिगड़ता है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है।कोशिश करें कि खाना बनाते समय कम तेल का इस्तेमाल करें और उसे बार-बार न गर्म करें। इससे न केवल आपका खाना सेहतमंद रहेगा बल्कि आपके शरीर को अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलेगा।सही मात्रा में तेल का उपयोग करने से स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में संतुलन बना सकते हैं।

सब्जियों को भूनने का तरीका बदलें

सब्जियों को भूनते समय अक्सर लोग ज्यादा तेल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे खाना तला हुआ सा लगने लगता है

और उसमें अतिरिक्त कैलोरी शामिल हो जाती है।इसकी बजाय आप सब्जियों को भूनने के लिए थोड़े पानी का उपयोग कर सकते हैं या ऐसे बर्तन में पकाएं जो चिपकता न हो। इससे न केवल कैलोरी कम होगी बल्कि सब्जियों का प्राकृतिक स्वाद भी बना रहेगा।इस तरह आपका खाना सेहतमंद और स्वादिष्ट बनेगा।

मसालों का सही मिश्रण बनाएं

मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें पौष्टिक भी बनाते हैं, लेकिन कभी-कभी ज्यादा मसाले खाने का स्वाद बिगाड़ सकते हैं और पाचन पर असर डाल सकते हैं। इसलिए मसालों का सही मिश्रण बनाना जरूरी है ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक भी हो।हल्दी, जीरा, धनिया जैसे मसालों का सही अनुपात मिलाकर इस्तेमाल करने से आपका खाना सेहतमंद बना रहेगा और पाचन पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

नमक का सही उपयोग करें

नमक हमारे खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका अधिक उपयोग हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

ज्यादा नमक खाने से रक्तचाप बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए नमक का सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है।खाने में स्वाद लाने के लिए आप सेंधा नमक या काला नमक भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहतर होते हैं और स्वाद में भी अच्छे लगते हैं।

पानी का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय पानी का सही उपयोग करना भी अहम होता है।ज्यादा पानी इस्तेमाल करने से खाना पतला हो जाता है और उसका स्वाद भी बिगड़ जाता है। इसलिए जितना संभव हो सके उतना कम पानी इस्तेमाल करें ताकि आपका खाना पौष्टिक बना रहे।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की रसोई को न केवल सेहतमंद बना सकते हैं बल्कि अपने खाने का स्वाद भी बढ़ा सकते हैं।

-: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष :-

200 वर्ष प्राचीन श्रीजी मंदिर में विराजमान है, सरोवर में परदादा को स्नान के दौरान प्राप्त हुई मूर्ति

चार पीढ़ी से की जा रही है भगवान श्रीजी द्वारकाधीश की विशेष आराधना राजस्थान के सरोवर में स्नान के दौरान परदादा के हाथ में अचानक आ गई थी मूर्ति

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। देवालयों के शहर नर्मदा नगरी में नर्मदा तट के श्रीजी मंदिर में 200 वर्ष पूर्व सरोवर में स्नान के दौरान प्राप्त हुई मूर्ति मंदिर में है विराजमान है। चौथी पीढ़ी के द्वारा जन्माष्टमी मनाई जाएगी। मंदिर में विराजमान भगवान द्वारकाधीश की प्राचीन मूर्ति स्थापित है। जो कि मंदिर के मुखिया पं द्वारका प्रसाद शुक्ला व उनके परिवार द्वारा पूजन अर्चन की जाती है। उन्होंने बताया कि उनके परदादा स्व. मोतीराम शुक्ल राजस्थान गए थे उन्हें स्वप्न में भगवान दिखे और कहा कि मैं यहां हूं। सुबह जब उन्होंने काकरोली सरोवर में स्नान किया तभी यह दिव्य विग्रह भगवान द्वारकाधीश की मूर्ति उनके हाथों में आ गई थी। मूर्ति को लेकर यहां आए कुछ दिनों बाद ही मंदिर बनवाया गया है। उसी समय से मंदिर के गर्भग्रह में गीले कपड़ों में ही जाकर पूजन अर्चन की जाती है। मंदिर का नाम श्रीजी मंदिर है जिसका निर्माण 12 राशि के 12 खंभों व वास्तुशास्त्र के अनुसार किया गया है। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में रात 8 बजे से दूसरे दिन सांय 5 बजे तक धार्मिक अनुष्ठान जारी रहते हैं।

जन्माष्टमी पर विशेष उत्साह

मंदिरों के शहर नर्मदा नगरी में प्राय: सभी मंदिरों में जन्माष्टमी का पर्व भक्ति भाव से मनाया जाता है। श्रीजी मंदिर में 200 वर्षों से भव्यता के साथ जन्माष्टमी मनाई जाती है। पूर्व में रासलीला होती रही है। भजन संध्या,जन्म अभिषेक,शंकर लीला, गोपियों द्वारा बधाई, नृत्योत्सव, आरती, दधखाना आदि कार्यक्रम होंते हैं। वर्ष में तीन बार विशेष उत्सव मनाया जाता है।

जिसमें झूला ग्यारस, जन्माष्टमी और अन्नकूट शामिल हैं। उन्होंने बताया है कि भगवान के मुकुट हर वर्ष राजस्थान नागद्वारा से ही आते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीजी मंदिर को श्रीनाथ जी की हवेली भी कहा जाता है। मथुरा वृंदावन में भी द्वारकाधीश के मंदिर को हवेली नाम दिया जाता है। इस मंदिर का निर्माण दुर्गा प्रसाद शुक्ला के परदादा द्वारा बनाया गया था। यहां की खासियत मंदिर में विराजमान बाल गोपाल के छोटे रूप की प्रतिमा है।

12 खंभों का वास्तुकला का मंदिर

मंदिर में 12 खंभें 12 राशियों के आधार पर बन हैं। प्राचीन वास्तुकला के तहत ही मंदिर का निर्माण किया गया है। जिससे मंदिर में आने वाले के एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मंदिर में बैठकर ध्यान, जप, पूजन- अर्चन का विशेष फल मिलता है। जल्द ही मनोकामनाएं पूरी होती है। प्रति दिन केवल परिवार के सदस्य ही पूजन करते हैं किसी अन्य सदस्य के हाथ में पूजा की थाल नहीं दी जाती है।

प्रेरणा कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

रासलीला गोवर्धन पर्वत और कालिया मर्दन की मनमोहक प्रस्तुतियों ने मोहा सबका मन

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रेरणा कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार 3 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर कृष्णमय वातावरण से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी विभिन्न लीलाओं को रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की आराधना एवं मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रासलीला, गोवर्धन पर्वत कालिया मर्दन मटकी फोड़ माखन चोरी सहित श्रीकृष्ण की अनेक मनोहारी लीलाओं की प्रस्तुतियाँ दी गईं। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे नन्हे.मुन्ने कृष्ण राधा एवं गोप-गोपियों ने अपनी मनमोहक अदाओं और शानदार अभिनय से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य कार्यक्रमों ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। मधुर संगीत आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आनंदमय बना दिया। विशेष रूप से रासलीला की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश भी दिया कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, प्रेम, कर्म, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का मार्ग दिखाता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाएँ आज भी हमारे जीवन में सकारात्मक सोच और सही कर्म करने की प्रेरणा देती हैं प्राचार्य श्रीमती विनीता तिवारी ने कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुतियों के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास रचनात्मकता अनुशासन और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। अंत में सभी ने भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय का पूरा परिसर श्जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूँज उठा और हर्षोल्लास के साथ जन्माष्टमी समारोह का समापन हुआ।

कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय डाक विभाग द्वारा विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी फिलाटेली के प्रचार प्रसार हेतु दीनदयाल स्पर्श योजना वर्ष 2026.-27 का आयोजन कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु किया जा रहा है। जिसमे प्रत्येक कक्षा के चयनित 10 विद्यार्थियों कुल 40 विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी। छात्रवृति की राशि रुपए 6000 एक वर्ष के लिए होगी । इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन मेघावी छात्रों को वार्षिक छात्रवृति प्रदान करना है जिनका शैक्षिक रिकार्ड उचित हैं एवं जिन्होंने शौक के तौर पर फिलाटेली को अपनाया है। आवेदन करने के लिए आवेदक को संबंधित विधालय में कक्षा 6 से 9 का नियमित छात्र होना आवश्यक है एवं विगत परीक्षा में 60: अथवा समांतर ग्रेड से अधिक होना चाहिए। इस योजना में अनुसूचित जाति जनजाति के विधार्थियों के लिए 05 की अतिरिक्त छूट का प्रावधान है। उक्त प्रतियोगिता के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 27 सितम्बर 2026 को किया जाएगा एवं परीक्षा के परिणाम की घोषणा 30 नवम्बर 2026 को परिमंडल कार्यालय भोपाल के द्वारा किया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पांडेय ने शहर की बदहाल सड़क पर जताई चिंता

भाजपा शासित नपा पर उठाए सवाल, सीमेंटेड सड़क पर डामरीकरण को बताया लीपापोती

इटारसी(निप्र)। शहर में बदहाल सड़कों की स्थिति को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डु पांडेय ने आरोप लगाया कि शहर की कई सड़कें लंबे समय से जर्जर हालत में हैं लेकिन उनकी स्थायी मरम्मत और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने के बजाय भाजपा की नगर पालिका द्वारा सीमेंटेड सड़कों पर डामरीकरण कर महज लिपापोती का कार्य किया जा रहा है। सोना सावरी नाका से लेकर रेलवे स्टेशन न्यास कॉलोनी से लेकर थाने पीछे तक, वही लाइन एरिया 1 लाइन से 13 वी लाइन तक, इटारसी सब्जी मंडी से लेकर भारत टॉकीज से होते हुए फल बाजार से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क की हालत भी अत्यंत खराब हो चुकी है।आगे जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डु पांडेय ने कहा कि' बारिश के बाद शहर की सड़कों की स्थिति और भी खराब हो गई है। जगह.जगह गड्ढे, उखड़ी सड़कें और जलभराव के कारण आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय ऊपर से डामर डालकर खानापूर्ति की जा रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डु पांडेय ने कहा कि' इटारसी की जनता को अच्छी और सुरक्षित सड़कें मिलना उनका अधिकार है। नगर पालिका को जनता के पैसों का सदुपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ सड़क निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। सीमेंटेड सड़क पर डामरीकरण करके केवल दिखावे की लिपापोती करना जनता के साथ न्याय नहीं है। कांग्रेस इस प्रकार के कार्यों का विरोध करती है और नगर पालिका से मांग करती है कि शहर की सभी बदहाल सड़कों का सर्वे कराकर प्राथमिकता के आधार पर स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती है। यदि सड़क निर्माण में अनियमितता या घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है तो उसकी जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पांडेय ने नगर पालिका से मांग की कि' इटारसी शहर की सड़कों की वास्तविक स्थिति को देखते हुए तत्काल व्यापक कार्ययोजना बनाई जाए ताकि नागरिकों को गड्ढों और बदहाल सड़कों से राहत मिल सके। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नजरपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

इटारसी (निप्र)। समीपस्थ एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नजरपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया चूंकि 4 सिंतबर को अवकाश होने के कारण पर्व एक दिन पूर्व ही स्कूल में मनाया गया सभी छात्र छात्रा एवं शिक्षकों ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों और सुंदर रंगोलियों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर शाला प्रभारी चेतना राठौर तथा शिक्षक ज्योति सरोज, सविता मेहरा, मीना मौर्य और रामेश्वर धुर्वे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान शिक्षिका ज्योति सरोज द्वारा उपस्थित बच्चों को भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल से लेकर उनकी अलौकिक लीलाओं और श्रीमद्भगवद्गीता के अनमोल संदेशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतारने और सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अगले चरण में बच्चों के बीच मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाए जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाला प्रभारी चेतना राठौर ने सभी बच्चों और स्टाफ को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। अंत में माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया गयाए जिसके साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नजरपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई जन्माष्टमी

इटारसी (निप्र)। समीपस्थ एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नजरपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया चूंकि 4 सिंतबर को अवकाश होने के कारण पर्व एक दिन पूर्व ही स्कूल में मनाया गया सभी छात्र छात्रा एवं शिक्षकों ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों और सुंदर रंगोलियों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर शाला प्रभारी चेतना राठौर तथा शिक्षक ज्योति सरोज, सविता मेहरा, मीना मौर्य और रामेश्वर धुर्वे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान शिक्षिका ज्योति सरोज द्वारा उपस्थित बच्चों को भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल से लेकर उनकी अलौकिक लीलाओं और श्रीमद्भगवद्गीता के अनमोल संदेशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतारने और सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अगले चरण में बच्चों के बीच मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाए जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाला प्रभारी चेतना राठौर ने सभी बच्चों और स्टाफ को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। अंत में माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया गयाए जिसके साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

अधिकारी अब दफ्तरों तक सीमित न रहकर स्वयं पहुंच रहे नागरिकों के बीच : विधायक ठाकुरदास नागवंशी

संवाद से समाधान ही मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कृषि उपज मंडी पिपरिया में जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनहितकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। शिविर में पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, नगर पालिका पिपरिया अध्यक्ष श्रीमती नीना नागपाल, नवनीत नागपाल, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम लता पटेल, श्रीमती ममता नागवंशी, कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का भ्रमण किया। उन्होंने स्टॉलों पर नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही जानकारी, योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।जनसंवाद शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, आयुष, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, स्व-सहायता समूह, श्रम, एमपीईबी (विद्युत), उद्योग एवं राजस्व सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं विभागीय सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में भी अवगत कराया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व विभाग द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य आगामी दो माह में पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि नगर पालिका द्वारा साफ सफाई आवास से जुड़े आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए उनका समाधान किया जाए।

स्प्रिंगडेल्स स्कूल में पौराणिक किरदारों के साथ जन्माष्टमी के उत्सव में नन्हे सितारों एवं पालकों ने बिखेरी अद्भुत छटा

नर्मदापुरम(निप्र)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर एक बार फिर स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भक्ति उल्लास रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। बृहस्पति हॉल में 3 सितंबर 2026 को प्रात: 9.30 बजे से जन्माष्टमी सेलिब्रेशन एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता माइथोलॉजीकल अवतार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आदर्श महिला क्लब की अध्यक्ष नीरजा फौजदार रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्या अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्य मोना चटर्जी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। सबसे आकर्षक पहलू बाल वाटिका से कक्षा दूसरी तक के नन्हे.मुन्ने विद्यार्थियों की माइथोलॉजिकल अवतार फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रही। नन्हे कलाकार कोई कन्हैया बने तो कोई राधा रानी, वहीं यशोदा मैया नंद बाबा भगवान शंकर माता सीता द्रौपदी एवं राधा.गोपियों सहित विभिन्न पौराणिक पात्रों के रूप में सजे बच्चों ने अपनी मासूमियत आत्मविश्वास और मनमोहक अदाओं से सभी का मन मोह लिया। पालकों ने भी इस रैंप वॉक में शानदार भूमिका निभाई। अभिभावकों की विशेष सहभागिता ने समारोह को और भी यादगार बना दिया। अभिभावक भी विभिन्न पौराणिक एवं सांस्कृतिक पात्रों के आकर्षक गेटअप में सजकर पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ विशेष पैरेंट्स रैम्प वॉक में हिस्सा लिया। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ मंच पर कदमताल करते देखकर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। पेरेंट्स रैम्प वॉक ने न केवल कार्यक्रम में उत्साह और मनोरंजन का रंग भरा बल्कि बच्चों और अभिभावकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव एवं सहभागिता की खूबसूरत मिसाल भी प्रस्तुत की। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा, मनमोहक गेटअप बाल सुलभ अभिव्यक्ति और उत्साह से भरपूर प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति एवं पौराणिक विरासत की सुंदर झलक प्रस्तुत की। श्रीमती फौजदार ने बच्चों एवं अभिभावकों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को अपनी गौरवशाली संस्कृति परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने के साथ.साथ अभिभावकों को भी विद्यालय की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिभावकों ने विद्यालय के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के साथ स्वयं मंच पर आकर रैम्प वॉक करना उनके लिए एक विशेष और आनंददायक अनुभव रहा। उन्होंने विद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ संस्कार संस्कृति रचनात्मकता और आत्मविश्वास के विकास पर दिए जा रहे जोर की प्रशंसा की। माइथोलॉजिकल अवतार फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं पैरेंट्स रैम्प वॉक में श्रीमती फौजदार एवं प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी द्वारा प्रतिभागियों का निर्णय किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शिवन्या मिश्रा अनुभव परते अनिका सिंह ने प्राप्त किया एवं द्वितीय पुरस्कार सिद्धिका चौरे रियांश बाथरी नवांश मालवीय और मोक्षित यादव ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार नमस्वी यादव दिव्यांशी चौरे एवं वान्या बोरासी ने प्राप्त किया। जजेस च्वाइस पुरस्कार शानवी भदोरिया प्रद्युम्न दीवान आध्या मालवीय शाश्वत शर्मा शिवान्जय राजपूत ने जीता। वही बेस्ट डिवाइन थीम अवार्ड श्रुति रजवानी ने मोस्ट डिवोशनल परफॉर्मेंस अवार्ड अद्विका पटेरिया ने एवं बेस्ट मिथक अटायर अवार्ड कनिष्क बाथरीने जीता बच्चों और अभिभावकों को एक साथ अपनी रचनात्मकता एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुंदर अवसर प्रदान किया। प्राचार्य श्रीमती चटर्जी ने बच्चों एवं पालकों के आत्मविश्वास एवं प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राधे.कृष्ण के जयघोष रंग-बिरंगे गेटअप, तालियों की गूंज और उमंग से भरा यह जन्माष्टमी समारोह सभी के लिए यादगार और अविस्मरणीय बन गया। कार्यक्रम में मंच संचालन उप प्राचार्य लक्ष्मी पलोहिया एवं मंगला केवट के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनरल मैनेजर श्रीमती सोनम सोखी की गरिमा में उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम के प्रभारी शिक्षिका दीप्ति पलिया किरण झारिया माया भारती एवं कृतिका मालवीय रहीं।

श्लोक, संगीत, नृत्य और कृष्णलीला से गूंजा द चैम्प्स फन स्कूल

हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया जन्माष्टमी उत्सव

नर्मदापुरम(निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल में प्री.प्राइमरी के नन्हे विद्यार्थियों के लिए जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी के बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। नर्सरी और प्ले ग्रुप के बच्चों के अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत हरे कृष्ण, हरे रामा के मधुर स्वागत मंत्र से हुई। इसके बाद प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी एवं डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी का स्वागत किया गया। बच्चों ने अच्युतम केशवमष गीत की सुंदर प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण श्लोक प्रतियोगिता का फाइनल रहा। जिसमें प्ले ग्रुप, नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के चयनित विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ श्लोक प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का प्रथम चरण 1 अगस्त को आयोजित हुआ था। प्रतियोगिता में मूल्यांकन वायस प्रिंसिपल काकोली राय चौहान ज्योति भदौरिया एकेडमिक कॉर्डिनेटर स्नेहा शर्मा एवं स्कूल कॉर्डिनेटर रीना मालवीय ने किया।इसके बाद एलकेजी की सिया और यूकेजी के निषित ने माखन चोरी की लीला प्रस्तुत की। बच्चों ने श्रीकृष्ण के जन्म, कंस के कारागार से गोकुल पहुंचने तथा उनके प्रेम, देखभाल और दयालुता जैसे मूल्यों को नाटिका एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया।समारोह के अंत में श्लोक एवं डांस प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण.पत्र और ट्रॉफी प्रदान की गई। डांस प्रतियोगिता में सभी सेक्शनों के बच्चों के प्रयास को समान रूप से प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक सेक्शन को प्रथम पुरस्कार की ट्रॉफी दी गई। प्रिंसिपल डॉ आशीष चटर्जी ने कहा कि इतनी कम उम्र में मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देना ही बच्चों की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी। संचालन रिचा सोनी ने किया। कार्यक्रम की प्रभारी स्नेहा माखीजा एवं निधि खत्री रहीं। अंत में स्नेहा माखीजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। नन्हे कृष्ण.राधा के मनमोहक रूप श्लोक संगीत और कृष्ण की बाल लीलाओं से सजा यह समारोह बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए आनंदमय और यादगार रहा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

श्रीकृष्ण पर्व

विक्रम सम्वत् 2083, कृष्ण पक्ष, अष्टमी (4 सितम्बर 2026, शुक्रवार)

घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल

मध्यप्रदेश के 55 जिलों के 111 स्थानों पर सांस्कृतिक आयोजन

7500 से अधिक श्रीकृष्ण मंदिरों में साज-सज्जा, भव्य जन्मोत्सव में प्रदेश के 1500 से अधिक कलाकारों की भागीदारी

मुख्यमंत्री निवास पर विशेष आयोजन

श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका	मलखंब	फूलों की होली	भजन गायन	मटकी फोड़
कविता शाजी एवं ग्रुप, भोपाल	डॉ. आशीष मेहता, उज्जैन	जुगलकिशोर नामदेव, सागर	तनिष्क शुक्ला एवं ग्रुप, जबलपुर	101 बच्चे राधाकृष्ण की वेशभूषा में होंगे शामिल

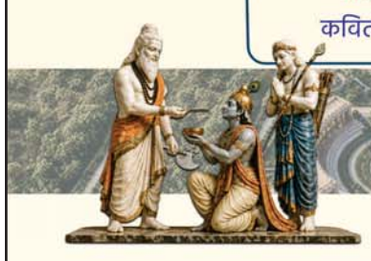

भूमिपूजन

शौर्य, आस्था और संस्कृति का नया धाम, अलौकिक आभा और दिव्यता का संगम **श्री परशुराम श्रीकृष्ण लोक** का भूमिपूजन
मुख्यमंत्री **डॉ. मोहन यादव** द्वारा 4 सितम्बर 2026 । जानापाव, इंदौर

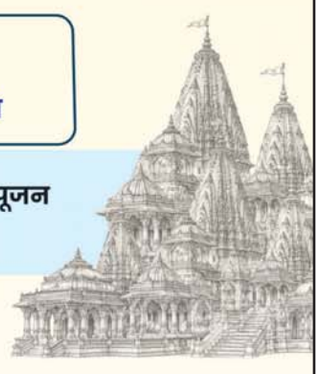

29 अगस्त से 04 सितम्बर, 2026
श्री रासलीला समारोह, रवीन्द्र भवन, भोपाल

02 से 06 सितम्बर, 2026
श्री नारायणा धाम मंदिर प्रांगण, नारायणा (उज्जैन)

02 से 04 सितम्बर, 2026
सांदीपनि आश्रम, उज्जैन

- **राधा कृष्ण मंदिर** — पीपलझर, खरगौन
- **स्वामीनारायण मंदिर** — सीहोर
- **बावड़ी मंदिर** — धार
- **श्री गोपाल मंदिर** — गुना
- **राधा कृष्ण चौपड़ा मंदिर** — तिली वार्ड, सागर
- **श्री व्यंकटेश मंदिर** — मुख्तियार गंज, सतना
- **राधा कृष्ण मंदिर** — शाजापुर
- **रामकृष्ण मंदिर** — बालाघाट
- **श्री कृष्ण शिव मंदिर परिसर** — औबेदुल्लागंज, रायसेन
- **श्री राधा कृष्ण मंदिर** — रतनगमा, मऊगंज
- **रणछोड़ मंदिर** — आगर-मालवा

02 से 04 सितम्बर, 2026
श्री रामलीला चौक, महिदपुर (उज्जैन)

- **राधा कृष्ण मंदिर** — पिपलिया बुजुर्ग, खरगौन
- **राधा कृष्ण मंदिर** — चंद्रपुरा, मंदसौर
- **राधा वल्लभ मंदिर** — रायसेन
- **श्री बिहारी जी का मंदिर** — दतिया
- **राधा कृष्ण मंदिर** — गैरतगंज, रायसेन
- **श्री लक्ष्मण बाग मंदिर** — रीवा
- **माजिसा राधा कृष्ण मंदिर** — झाबुआ
- **रामकृष्ण कुटीर (सांधा)** — अमरकंटक, अनूपपुर
- **इस्कॉन मंदिर** — उज्जैन
- **मानस भवन सभागार** — शहडोल
- **राधेश्यामजी मंदिर** — राघौगढ़, गुना
- **द्वारकाधीश मंदिर** — मनासा, नीमच

02 से 04 सितम्बर, 2026
सत्यनारायण मंदिर — बड़वाह, खरगौन
श्री राधा कृष्ण सरकार मंदिर — बैरसिया, भोपाल
श्री राम राधाकृष्ण मंदिर — नरसिंहपुर
नंद किशोर मंदिर — दतिया
पहलवान बब्बा मंदिर — सागर
श्री राम जानकी मंदिर — मैहर
राधा कृष्णा मंदिर — अशोक नगर
लक्ष्मी नारायण मंदिर — शहडोल
खाटू श्याम मंदिर — ब्यावरा, राजगढ़
माँ बिरासनी क्रिकेट स्टेडियम — पाली (उमरिया)
राधा कृष्ण मंदिर — जामगढ़. रायसेन

02 सितम्बर 2026
श्री बलदेवजी मंदिर परिसर, पन्ना

- **राधा कृष्ण मंदिर** — सनावद, खरगौन
- **रणजीत हनुमान मंदिर** — जावरा, रतलाम
- **राधाकृष्ण मंदिर** — राजगढ़
- **राम जानकी मदिर** — रायसेन
- **लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर** — भोपाल
- **सर्वेश्वर मंदिर** — सिंगरौली
- **साँवरिया सेठ मंदिर** — धार
- **राधा कृष्ण मंदिर** — मण्डला
- **श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर** — भोपाल
- **महिष्मति घाट** — मण्डला
- **श्रीकृष्ण मंदिर** — तराना, उज्जैन
- **श्रीराधाकृष्ण मंदिर** — मल्हारगढ़, मंदसौर

03 एवं 04 सितम्बर, 2026
जुगल किशोर मंदिर प्रांगण, पन्ना

- **राधा कृष्ण मंदिर** — ओझर, बड़वानी
- **श्री राधे श्याम मंदिर** — रतलाम
- **राधे कृष्ण मंदिर** — बैतूल
- **बिहारी जी मंदिर** — सागर
- **खाटू श्याम मंदिर** — विदिशा
- **श्रीकृष्ण मंदिर गोपाल दास मंदिर** — सीधी
- **राधा कृष्ण मंदिर** — बुधनी, सीहोर
- **राधा कृष्ण मंदिर** — डिंडोरी
- **राधा कृष्ण मंदिर** — पिपरिया, नर्मदापुरम
- **परशुराम जन्मस्थली** — जानापाव, महू
- **राधाकृष्ण मंदिर** — भितरवार, ग्वालियर
- **श्री कल्याणरायजी की हवेली** — खिलचीपुर,राजगढ़

03 एवं 04 सितम्बर, 2026
थाना परिसर के पीछे, अमझेरा (धार)

- **नमः शिवाय मिशन शिव कोठी** — ओंकारेश्वर, खण्डवा
- **श्री खाटू श्याम मंदिर** — उज्जैन
- **द्वारकाधीश मंदिर** — ग्वालियर
- **देव जानकी बडा मंदिर** — सागर
- **श्याम मंदिर** — हरदा
- **श्री राम मंदिर** — कटनी
- **राधा कृष्णा मंदिर** — देवास
- **श्री राम मंदिर प्रांगण** — बुरहानपुर
- **कुण्डलेश्वर** — टीकमगढ़
- **कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम** — रीवा
- **श्रीराधा-माधव मंदिर** — बिजावर, छतरपुर
- **चक्रधारी मंदिर** — अम्बाह, जिला-मुरैना

- **श्री राधा कृष्ण मंदिर** — नरसिंहगढ़, राजगढ़
- **शिव राम कृष्ण मंदिर** — नीमच
- **राधा बल्लभ मंदिर** — भिण्ड
- **राधा कृष्ण मंदिर** — रायसेन
- **श्रीकृष्ण मंदिर** — तिघ्रा बाजार, रायसेन
- **श्री कृष्ण मंदिर** — छिंदवाड़ा
- **श्री द्वारकाधीश राधा कृष्ण मंदिर** — सिवनी
- **खंडिया वाले हनुमान जी मंदिर** — निवाड़ी
- **सोमेश्वर महादेव मंदिर** — भोपाल
- **मानस भवन सभागार** — दमोह
- **श्रीराधा-कृष्ण मंदिर** — बदरवास,शिवपुरी
- **श्रीगोपाल-कृष्ण जी मंदिर** — देपालपुर, इंदौर

- **श्री राधाकृष्ण मंदिर** — ब्यावर, राजगढ़
- **श्री राधा कृष्ण मंदिर** — महिदपुर, उज्जैन
- **गंगा दास की बड़ी शाला** — ग्वालियर
- **राधाकृष्ण मंदिर** — रसूलपुर त्योंदा, रायसेन
- **श्रीकृष्ण मंदिर** — सांची, रायसेन
- **नरसिंह मंदिर** — अलीराजपुर
- **श्री कृष्ण मंदिर** — नरसिंगपुर
- **कृष्ण मंदिर हनुमान चौक** — देवास
- **श्री राधाकृष्ण मंदिर** — मंडीदीप, जिला रायसेन
- **श्रीराधा-कृष्ण मंदिर** — खातेगाँव, देवास
- **श्रीनाथद्वारा जी मंदिर** — झाबुआ

- **श्री कृष्ण मंदिर** — सारणी, बैतूल
- **श्रीराम मंदिर** — आगर-मालवा
- **सिद्धेश्वर मंदिर** — शिवपुरी
- **कृष्ण मंदिर** — गुलाबगंज, विदिशा
- **श्री राम जानकी मंदिर** — चित्रकूट, सतना
- **राधा कृष्ण मंदिर** — पांडुर्णा
- **श्री सागरेश्वर नाथ** — उमरिया
- **राधा कृष्ण मंदिर** — जबलपुर
- **राधा कृष्ण मंदिर** — मुरैना
- **गोपाल मंदिर** — उज्जैन
- **नाथद्वारजी मंदिर** — जावद, नीमच

D-11105/26

श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग का आयोजन

सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग